सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

सूर्य नमस्कार रखे आपको हरदम फिट पेज: 7 | सीरियस ए ट्रेस टैग पर बोलीं संजीदा शेख पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 130 | शुक्रवार 14 अगस्त 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

सुखबीर सिंह बादल से मुख्यमंत्री फडणवीस ने की मुलाकात, जांच के दिए आदेश

महाराष्ट्र एजेंसीः महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को नांदेड़ के एक गुरुद्वारे में पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री और शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल पर हुए हमले के मकसद की जांच के आदेश दिए हैं। खबरों के मुताबिक, फडणवीस ने नांदेड़ के पुलिस अधीक्षक से बात की और सुखबीर सिंह बादल पर हुए हमले की जानकारी ली। बादल अपने परिवार के साथ गुरुद्वारा माता साहिब कौर में प्रार्थना करने गए थे, तभी उन पर हमला हुआ। खबरों के अनुसार, बहस के बाद एक निहंग ने कथित तौर पर कृपाण से उन पर हमला किया। बादल के हाथ में चोट आई और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। इस घटना में उनके निजी सुरक्षा अधिकारी को भी चोटें आईं। देवेंद्र फडणवीस ने सुखबीर सिंह बादल से फोन पर बात की। बादल ने मुख्यमंत्री को बताया कि उनकी हालत स्थिर है।

राहुल गांधी का बड़ा हमला: बीजेपी थोप रही अपना सिस्टम, कांग्रेस देगी इंडिया को बोलने का मौका

नई दिल्ली एजेंसीः कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को नीट-यूजी पेपर लीक को लेकर जंतर-मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शनों से निपटने के तरीके को लेकर मोदी सरकार की आलोचना की। नई दिल्ली में 'रचनात्मक कांग्रेस राष्ट्रीय सम्मेलन' में बोलते हुए, गांधी ने आरोप लगाया कि बीजेपी की राजनीतिक विचारधारा भारत पर ऐसी व्यवस्था थोपना है जिससे उन्हें और कुछ खास लोगों को फायदा हो। उन्होंने कहा, हमारा काम भारत को अपनी बात कहने का मौका देना है। सम्मेलन में बातचीत के अंदाज में अपनी बात रखते हुए गांधी ने जोर दिया कि कांग्रेस का मकसद बीजेपी द्वारा थोपी गई व्यवस्था को तोड़ना है। उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर पर जो हो रहा था, वह यह है कि छात्र

अपनी बात रखना चाहते हैं। वे परेशान हैं और अपनी बात कहना चाहते हैं, लेकिन सरकार कहती है– नहीं। हम जंतर-मंतर पर व्यवस्था कायम करेंगे। आप अपनी बात नहीं रख सकते। लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी ने विरोध-प्रदर्शन के हालात की तुलना एक रेप पीड़िता के परिवार के साथ हुई अपनी बातचीत से की। उन्होंने याद करते हुए कहा कि आज एक महिला मेरे पास आई, जिसकी बेटी के साथ चार साल पहले उत्तराखंड में रेप हुआ था और उसकी हत्या कर दी गई थी। वह रो रही थी, अपनी बात कहने की कोशिश कर रही थी, लेकिन सिस्टम कहता है–'माफ कीजिए, हम आपको अपनी बात कहने की

आरोप लगाया कि यह छात्रों की अभिव्यक्ति की आजादी पर.....

राहुल गांधी ने जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक के विरोध प्रदर्शनों को दबाने के लिए मोदी सरकार की तीखी आलोचना की, आरोप लगाया कि यह छात्रों की अभिव्यक्ति की आजादी पर अंकुश लगाकर एक ऐसी व्यवस्था थोपने का प्रयास है

इजाजत नहीं देंगे, क्योंकि अगर आप अपनी बात कहेंगी तो अव्यवस्था फैल जाएगी'। उन्होंने आगे कहा कि तो उनका काम और उनकी राजनीतिक सोच भारत पर एक ऐसा सिस्टम थोपना है, जिससे उन्हें और कुछ खास लोगों को फायदा हो। और हमारा काम भारत को अपनी बात कहने का मौका देना और उस सिस्टम को तोड़ना है। सीजेपी की अगुवाई में जंतर-मंतर पर हो रहा विरोध प्रदर्शन, शिक्षा मंत्री के तौर पर धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद खत्म हुआ। संसद में विपक्षी पार्टियों ने गृह मंत्री अमित शाह से प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हुई पुलिस कार्रवाई पर बयान देने की मांग की है। गांधी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) पर आज के भारत को न समझने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि अगर आप ब्रिटिश साम्राज्य से लड़ रहे हों और अचानक कहें कि मुझे थोड़ा डर लग रहा है, तो मैं समझ सकता हूँ। लेकिन आप तो कुछ जोकरों से लड़ रहे हैं। आपको डर कैसे लग सकता है? आप असल में कुछ जोकरों, ऐसे मसखरों से लड़ रहे हैं जिन्हें हमारी फि लॉसफी या हमारे इतिहास के बारे में कोई जानकारी नहीं है। मैं फ़्रर में मौजूद अपने दोस्तों के बारे में यह बात साफ तौर पर कह सकता हूँ। यह बात मेरे लिए बिल्कुल साफ है।

उन्होंने आगे कहा कि असल में, ज्यादातर लोगों के लिए यह साफ है कि इन लोगों को भारत की कोई समझ नहीं है। क्यों? क्योंकि जो कोई आज के भारत से नहीं जुड़ सकता, वह भारत को समझ नहीं सकता। भारत को समझने के लिए, आप 3,000 साल पुराने भारत को नहीं समझ सकते।

टीएमसी बागी लोकसभा सांसदों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएगी; 7-10 दिनों में अयोग्यता की याचिकाएं दायर की जाएंगी

नई दिल्ली एजेंसीः तृणमूल कांग्रेस अपने बागी लोकसभा सांसदों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी कर रही है और पार्टी अगले 7-10 दिनों में उनकी सदस्यता रद्द करने की याचिकाएं दायर कर सकती है। टीएमसी जून से ही इन सांसदों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रही है। जून में ही पार्टी के 28 लोकसभा सांसदों में से 20 ने बगावत कर दी थी और 'नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया' (एनसीपीआई) के साथ जुड़ने की घोषणा करते हुए बीजेपी के नेतृत्व वाले 'नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस' (एनडीए) को समर्थन देने का वादा किया था। बागी गुट में शामिल प्रमुख सांसदों में ककोली घोष दस्तीदार, यूसुफ पठान, सायनी घोष, शत्रुघ्न सिन्हा, प्रसून बनर्जी, जगदीश चंद्र बसुनिया, खलीकुर रहमान, अबू ताहिर खान,

शताब्दी रॉय, रचना बनर्जी, दीपक अधिकारी (देव), अरूप चक्रवर्ती, शर्मिला सरकार, बापी हलदर, माला रॉय और मिताली बाग शामिल हैं। यह राजनीतिक संकट जून में 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में पार्टी की हार के बाद शुरू हुआ। इसके बाद बागी गुट ने एनसीपीआई के साथ विलय का दावा किया। उनका तर्क था कि उन्हें टीएमसी के लोकसभा सदस्यों में से दो-तिहाई से ज्यादा का समर्थन हासिल है, इसलिए वे दल-बदल विरोधी कानून के तहत अयोग्य घोषित होने से बच सकते हैं। 10 जून को टीएमसी नेतृत्व ने स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखकर आग्रह किया कि वे किसी भी अलग गुट को मान्यता न दें और संभावित बागियों के खिलाफ दल-बदल विरोधी प्रावधानों के तहत कार्रवाई करें। 14 जून को काकोली घोष दस्तीदार और सुदीप बंद्योपाध्याय जैसे वरिष्ठ नेताओं के नेतृत्व में 20 बागी सांसदों ने नई दिल्ली स्थित आवास पर बिरला से मुलाकात की। उन्होंने पत्र सौंपकर दावा किया कि वे पार्टी की कुल संख्या का दो-तिहाई से ज्यादा हिस्सा हैं और एनसीपीआई के साथ विलय कर रहे हैं। इसके बाद बागी गुट एनडीए के साथ हो गया, जबकि टीएमसी के वफादार खेमे ने फ्लोर लीडर अभिषेक बनर्जी के जरिए और पत्र सौंपे। उन्होंने तर्क दिया कि दावा किया गया विभाजन दसवीं अनुसूची के तहत अमान्य था। 18-19 जून को, स्पीकर के ऑफि स ने समीक्षा की प्रक्रिया शुरू की और टीएमसी लीडरशिप (जिसमें अभिषेक बनर्जी भी शामिल थे) से कथित विलय पर तर्क मांगे।

हर घर तिरंगा से जुड़ रहे करोड़ों देशवासी, कैसे 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष बढ़ा रहे हैं राष्ट्र का मान

नई दिल्ली एजेंसीः भारत अपने 80वें स्वतंत्रता दिवस की तैयारी कर रहा है। इसी सिलसिले में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को नई दिल्ली स्थित अपने आवास पर हर घर तिरंगा अभियान के तहत राष्ट्रीय ध्वज फहराया। अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए सभी नागरिकों से अपील की कि वे अपने घरों पर तिरंगा फहराकर देशभक्ति का जश्न मनाएं। उन्होंने एक्स पर लिखा, तिरंगा हमारे देश के प्रति हमारे पवित्र गर्व और हमारी एकता की ताकत का प्रतीक है। मैंने अपना राष्ट्रीय ध्वज फहराकर #हर घर तिरंगा अभियान में हिस्सा लिया। मैं सभी नागरिकों से अपील करता हूं कि वे इस अभियान में लाखों लोगों के साथ जुड़ें और

अपने घरों पर तिरंगा फहराकर तथा पर अपनी सेल्फी अपलोड करके देशभक्ति का जश्न मनाएं। उन्होंने उस भागीदारी प्रमाण-पत्र (सर्टिफिकेट) को भी साझा किया जो उन्हें साइट पर तस्वीरें अपलोड करने के बाद मिला था। 'हर घर तिरंगा' पहल नागरिकों को अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज फहराने और भारत की आजादी का जश्न मनाने वाली गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करती है, साथ ही तिरंगे के साथ एक व्यक्तिगत जुड़ाव भी बनाती है। एक अन्य पोस्ट में शाह ने कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान ने देश भर के हर भारतीय के दिल में देशभक्ति और गर्व की भावना को और मजबूत किया है। अमित शाह ने कहा कि आज, नई दिल्ली में अपने आवास पर मैंने अभियान के तहत तिरंगा फहराया। मोदी जी के नेतृत्व में शुरू किया गया यह अभियान आज हर भारतीय के दिल में देशभक्ति और गर्व की भावना को और मजबूत कर रहा है। आज, करोड़ों देशवासी तिरंगे से जुड़ रहे हैं और 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को सशक्त बना रहे हैं। जैसे-जैसे भारत अपने 80वें स्वतंत्रता दिवस के खास मौके की तैयारी कर रहा है, इस साल के जश्न में 'वंदे मातरम' के 150 साल पूरे होने का खास तौर पर जश्न मनाया जाएगा। 'हर घर तिरंगा 2026' के मुख्य कार्यक्रमों में तिरंगा रैलियां और जुलूस, प्रदर्शनियां, तिरंगा कॉन्सर्ट, बाइक और साइकिल रैलियां, अहम जगहों पर तिरंगे के रंगों की लाइटिंग, सजावट और रंगोली के कार्यक्रम शामिल होंगे। "तिरंगा सैल्यूट टू द स्पिरिट ऑफ वंदे मातरम" थीम के तहत खास गतिविधियां भी आयोजित की जाएंगी

हर घर तिरंगा से हर भारतीय जुड़ा, अमित शाह बोले- यह राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक

नई दिल्ली एजेंसीः केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में अपने आवास पर 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत तिरंगा फहराया और कहा कि इससे हर भारतीय के दिल में देशभक्ति और गर्व की भावना मजबूत होती है। अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा कि आज, नई दिल्ली में अपने आवास पर मैंने 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत तिरंगा फहराया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में शुरू किया गया यह अभियान आज हर भारतीय के दिल में देशभक्ति और गर्व की भावना को और मजबूत कर रहा है। आज करोड़ों देशवासी तिरंगे से जुड़ रहे हैं और 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को सशक्त बना रहे हैं। 'हर घर तिरंगा' अभियान 'आजादी का अमृत महोत्सव' के तहत शुरू किया गया था, ताकि नागरिकों को अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज लाने और भारत की आजादी के जश्न के हिस्से के तौर पर तिरंगा फहराने के लिए

प्रोत्साहित किया जा सके। यह अभियान इस सोच पर आधारित था कि राष्ट्रीय ध्वज के साथ लोगों का रिश्ता पारंपरिक रूप से ज्यादा औपचारिक और संस्थागत रहा है, न कि राष्ट्रीय गौरव की व्यक्तिगत अभिव्यक्ति के रूप में। नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज घर लाने के लिए प्रोत्साहित करके, इस पहल का मकसद तिरंगे को देश के साथ व्यक्तिगत जुड़ाव का प्रतीक बनाना था, साथ ही यह राष्ट्र-निर्माण और राष्ट्रीय एकता के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता को भी दशार्ता है। इस साल, हर घर तिरंगा 2026 को वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने की भावना को समर्पित किया जा रहा है। इसमें देशभक्ति, तिरंगे पर गर्व और भारत के राष्ट्रगीत में झलकने वाले मातृभूमि के प्रति गहरे प्रेम का जश्न मनाया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को देशवासियों से अपील की कि वे 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाने और स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि देने के लिए हर घर तिरंगा अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें। इंस्टाग्राम पर एक रील शेयर करते हुए

एमपी में जल्द लागू होगा यूसीसी, सीएम मोहन यादव बोले- राज्य में आएगी समानता की पवित्र भावना

मध्यप्रदेश एजेंसीः मध्यप्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) जल्द लागू की जाएगी और इसके साथ ही राज्य देश के उन प्रमुख राज्यों की श्रेणी में शामिल हो जाएगा जहां यह कानून लागू है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बृहस्पतिवार को यह बात कही। यादव स्वतंत्रता दिवस के पहले भोपाल के भोजताल (बडा तालाब) में नौकाओं पर आयोजित तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा, मुझे खुशी है कि राज्य में समान नागरिक संहिता लागू होने जा रही है। इससे मध्य प्रदेश देश के उन प्रमुख राज्यों की श्रेणी में शामिल हो जाएगा, जहां यूसीसी लागू है और राज्य में समानता की पवित्र भावना मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि धर्म के आधार पर किसी के साथ भेदभाव नहीं होगा और हिंदू, मुस्लिम, पारसी या ईसाई, सभी पर समान कानून लागू होंगे। बड़ा तालाब में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रसिद्ध बोट क्लब देशभक्ति के गीतों से गूंज उठा। एक अधिकारी ने बताया कि देश में पहली बार झील के बीचोंबीच तैरता हुआ तिरंगा भी बनाया गया। यादव ने खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा कि उनका प्रदर्शन रोमांचकारी है और यह दशार्ता है कि जीवन में परिस्थितियां हमेशा एक जैसी नहीं रहतीं तथा समय के साथ संकल्प और कौशल विकसित होता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज देश और दुनिया देख रही है कि तिरंगा यात्रा नावों के जरिए भी निकाली जा सकती है और मध्यप्रदेश इस आयोजन के माध्यम से एक अनूठा रिकॉर्ड बना रहा है। मध्यप्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग भी नौका तिरंगा यात्रा में शामिल हुए।

क्या आप नहीं चाहते कि लोग स्वस्थ रहें? फूड पैकेट पर सुप्रीम कोर्ट से एफएसएसएआई को फटकार

नई दिल्ली एजेंसीः सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को 'फूड सेफ़्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया' (एफएसएसएआई) से कड़े सवाल पूछे। कोर्ट ने पूछा कि ज्यादा चीनी, नमक और सैचुरेटेड फैट वाले पैक्ड फूड पर चेतावनी वाले लेबल लगाने में क्यों हिचकिचाहट हो रही है। साथ ही, कोर्ट ने यह भी पूछा कि क्या रेगुलेटर नहीं चाहता कि लोग सेहतमंद रहें और क्या वह फूड इंडस्ट्री के दबाव में आ रहा है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच एक ऐसी याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें चेतावनी वाले लेबल लगाने की मांग की गई थी, ताकि ग्राहक पैक्ड फूड प्रोडक्ट्स से जुड़े न्यूट्रिशन संबंधी जोखिमों को आसानी से पहचान सकें। इसने इस प्रस्ताव को लेकर एफएसएसएआई की साफ-साफ हिचकिचाहट पर आपत्ति जताई और सवाल किया कि लोगों में जागरूकता बढ़ाने के मकसद वाले उपाय में देरी क्यों की जा रही है। बेंच ने पूछा कि क्या आप

कोर्ट को हल्के में ले रहे हैं?" साथ ही, यह आरोप भी लगाया कि फूड मैन्युफैक्चरर्स का दबाव रेगुलेटर के रवैये पर असर डाल रहा हो सकता है। कोर्ट ने साफ किया कि मामला किसी खास फूड प्रोडक्ट या बनाने वाली कंपनी को निशाना बनाने का नहीं है, बल्कि यह पक्का करने का है कि ग्राहकों को कुछ भी खरीदने से पहले पूरी जानकारी मिले। बेंच ने पूछा, आपने अब तक क्या किया है? हमें पता है कि आप पर कितना दबाव है। क्या आप खुद ऐसा करेंगे या हमें कोई आदेश जारी करना होगा? केंद्र और एफएसएसएआई को इस मामले पर अपना फाइनल फैसला सुप्रीम कोर्ट के सामने रखने के लिए दो हफ़्ते का समय दिया गया है। यह मामला ज्यादा चीनी, नमक और फैट वाले खाने-पीने की चीजों के पैकेट के सामने वाले हिस्से पर लेबलिंग से जुड़ी एक जनहित याचिका से संबंधित है।

सुप्रीम कोर्ट ने पहले एफएसएसएआई से इस मामले की जांच करने और सही उपाय करने पर विचार करने को कहा था। गुरुवार की सुनवाई के दौरान, केंद्र और एफएसएसएआई की ओर से पेश हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल बृजेंद्र चाहर ने दलील दी कि ऐसे वॉर्निंग लेबल लगाने से मुश्किलें पैदा हो सकती हैं, क्योंकि कई पारंपरिक भारतीय खाद्य पदार्थों में प्राकृतिक रूप से नमक या फैट की मात्रा काफी ज्यादा होती है।

राहुल गांधी का अहंकार ले डूबा मानसून सत्र, रविशंकर प्रसाद बोले देश की राजनीति जिद से नहीं चलेगी

नई दिल्ली एजेंसीः बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद ने गुरुवार को संसद के मॉनसून सत्र के बेकार जाने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी के अहंकार, जिद और हक जताने की सोच को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर बहस करने के लिए तैयार होने के बावजूद विपक्ष ने सदन को चलने नहीं दिया। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी के अहंकार और पूरी तरह से अनुशासनहीनता की वजह से संसद का पूरा सत्र बर्बाद हो गया। प्रसाद ने कहा कि संसद का पूरा मॉनसून सत्र एक नेता के अहंकार, अनुशासन की कमी और ज़िद की भेंट चढ़ गया। मैं यह पूरी ज़िम्मेदारी के साथ कह रहा हूँ। संसद का पूरा मॉनसून सत्र विपक्ष के नेता के अहंकार, मनमानी, हक जताने की सोच और पूरी तरह से अनुशासनहीनता की भेंट चढ़ गया। प्रसाद ने बताया कि शाह ने पुलिस की कार्रवाई पर बहस में शामिल होने और विपक्ष की सभी दलीलों का जवाब देने की पेशकश की थी। उन्होंने कहा कि कल आपने देखा कि माननीय गृह मंत्री खुद मीडिया के सामने आए और कहा,

'मैं पूरी बहस सुनने और पुलिस से जुड़ी घटनाओं पर उनकी सभी दलीलों का जवाब देने के लिए 24 घंटे तक बैठने को तैयार हूँ। मैं हर एक बात का जवाब दूँगा।' हमारे संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू जी ने बिजनेस एडवाइजरी कमेटी और सदन में यह बात उठाई कि हम बहस के लिए तैयार हैं। यहाँ तक कि

बीजेपी के रविशंकर प्रसाद ने मॉनसून सत्र की बबार्दी का कारण राहुल गांधी के अहंकार और अनुशासनहीनता को बताया, यह आरोप लगाते हुए कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पुलिस कार्रवाई पर बहस के लिए तैयार थे। प्रसाद ने राहुल गांधी के इस्तीफे की मांग वाले बयानों को 'बेवकूफी भरा' करार देते हुए

माननीय स्पीकर ने भी कहा कि बहस होनी चाहिए। राहुल गांधी के शाह के इस्तीफे की मांग वाले बयानों की आलोचना करते हुए, प्रसाद ने पुलिस की कार्रवाई से जुड़ी प्रक्रिया के बारे में उनकी समझ पर सवाल उठाए। प्रसाद ने कहा कि लेकिन फिर उनके [राहुल गांधी के] दो 'बेवकूफी भरे' बयान आए, जिन्हें मैं कोट करना चाहूंगाः 'अगर उन्होंने फायरिंग का आदेश दिया, तो उन्हें इस्तीफा देना चाहिए। अगर उन्होंने ऐसा नहीं किया, तो वह एक अक्षम और बेकार मंत्री हैं, इसलिए उन्हें फिर भी इस्तीफा देना चाहिए।' मिस्टर राहुल गांधी, क्या आपको गवर्नेंस की बुनियादी समझ भी नहीं है? क्या गृह मंत्री कभी फायरिंग का आदेश देते हैं? इसका क्या मतलब है? इसके लिए नियम हैं; एक प्रोटोकॉल है। वहां मौजूद मजिस्ट्रेट और अन्य अधिकारी, या डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस--उनसे सलाह लेने के बाद ही कार्रवाई की जाती है। फिर भी, आपने यह मुद्दा उठाया। प्रसाद ने संसदीय राजनीति के प्रति गांधी के नजरिए पर भी हमला करते हुए कहा कि देश की राजनीतिक व्यवस्था किसी एक व्यक्ति की मांगों के अनुसार नहीं चल सकती। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी, देश की राजनीति आपकी ज़िद पर नहीं चलेगी।

संपादकीय

नशा विरोधी अभिनव पहल

यह एक हकीकत है कि बच्चों को जितना अभिभावक और शिक्षक समझ सकते हैं, उतना दूसरा कोई नहीं। वे बच्चों के असामान्य व्यवहार की निगरानी करके उन्हें बुरी आदतों से बचा भी सकते हैं। शायद यही सोचकर पंजाब सरकार ने राज्य के 12 जिलों में 21,850 स्कूल टीचरों को छात्रों को नशीली दवाओं की लत से दूर रखने के लिये प्रशिक्षण देने का फैसला लिया है। ये शिक्षक प्रशिक्षण के बाद छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं और भावनात्मक परेशानी के शुरूआती लक्षणों की पहचान कर सकेंगे। निश्चय ही यह एक स्वागतयोग्य पहल है। यह इसलिए भी जरूरी है कि बच्चों के मनोवैज्ञानिक विश्लेषण से उन्हें नशे की गिरफ्त में आने से पहले ही बचाया जा सकेगा। यह बेहतर स्थिति है कि नशे की लत का शिकार होने के बाद उपचार के बजाय उन्हें पहले ही नशे से दूर रहने को प्रेरित किया जाए। दरअसल, पंजाब सरकार के ह्ययुद्ध नशियां विरुद्धह्न अभियान के तरह शुरू किया गया यह कार्यक्रम प्रिंसिपल और हेडमास्टरों की पिछली ट्रेनिंग तथा अमृतसर में 2,800 से ज्यादा टीचरों को शामिल करने वाले एक पायलट प्रोजेक्ट का हिस्सा है। दरअसल,इस अभियान की सबसे बड़ी खूबी है कि यह नशा-विरोधी अभियान का फोकस नशे की लत लगने के बाद प्रतिक्रिया देने से हटाकर, उसे रोकने की ओर ले जाता है। निस्संदेह, शिक्षक एक अभिभावक जैसी भूमिका में होते हैं, जो बच्चे के व्यवहार, स्कूल में उपस्थिति, पढ़ाई-लिखाई के प्रदर्शन, दोस्ती या भावनात्मक स्थिति में बदलाव को बेहतर ढंग से महसूस कर सकते हैं। दरअसल, शिक्षक कक्षा में छात्र की चुप्पी और क्लास में होते हुए भी वहां न होने जैसे संवेदनशील बदलावों को भांप सकते हैं। लेकिन बच्चों की संवेदनशीलता को देखते हुए शिक्षकों को अनाड़ी जांचकर्ता या काउंसलर बनने से बचना होगा। निर्विवाद रूप से किसी बच्चे का क्लास में चुप-चुप रहना, नंबर कम आना या व्यवहार में बदलाव आना हमेशा नशे से जुड़े कारण से नहीं हो सकता। उससे जुड़े अन्य कारकों पर भी विचार किया जाना जरूरी होता है। दरअसल, इस जटिल समस्या के समाधान के लिये शिक्षकों को संवेदनशील व्यवहार के लिये प्रेरित किया जाना चाहिए। शिक्षकों को बिना किसी पूर्वाग्रह के देखने, सुनने, बातचीत करने तथा छात्रों को योग्य पेशेवरों के पास भेजने के लिये प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। वास्तव में इस संवेदनशील समस्या का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है कि किसी बच्चे में नशे की ओर उन्मुख होने और उसकी जल्दी पहचान होने पर उसे जल्दी मदद मिल सके। पर ऐसा न हो कि शिक्षक उत्साह में उसकी पहचान उजागर कर दें और उसकी जल्दी बदनामी हो जाए। ऐसा बच्चा कुंठा व हताशा में गलत राह में भटक सकता है। ऐसे में इस अभियान का मानसिक स्वास्थ्य वाला हिस्सा विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाता है। यह एक हकीकत है कि युवाओं में नशीले पदार्थों के गलत इस्तेमाल की समस्या को सिर्फ चेतावनी तथा नैतिक उपदेश देकर दूर नहीं किया जा सकता है। वास्तव में भावनात्मक परेशानी, पारिवारिक समस्याएं, दोस्तों का दबाव, अकेलापन और पढ़ाई का तनाव आदि सभी चीजें बच्चों को जोखिम में डाल सकती हैं। इसलिए स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम के साथ ही काउंसलिंग और रेफरल की प्रभावी व्यवस्था होनी चाहिए। वहीं दूसरी ओर सरकार को भी सिर्फ प्रशिक्षित किए गए शिक्षकों की संख्या के आधार पर सफलता को नहीं मापना चाहिए। दरअसल, उसे यह भी देखना चाहिए कि कितने कमजोर या जोखिम वाले छात्रों की पहचान की गई है। साथ ही उन्हें कहां भेजा गया है। क्या उनकी काउंसलिंग की गई है? क्या बाद में उनका फॉलो-अप किया गया है? यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि शिक्षकों पर पढ़ाई के अलावा कई तरह के सरकारी कार्यक्रमों के लिये समय देने का दबाव होता है। ऐसे में सावधानी रखनी बेहद जरूरी है कि तमाम प्रशासनिक जिम्मेदारियों के बीच ड्रग्स के खिलाफ प्रशिक्षण सिर्फ खानापूर्ति के लिये कागजी कार्रवाई बनकर न रह जाए। सबसे महत्वपूर्ण यह कि इस कार्यक्रम को क्लासरूम से आगे लेकर जाना चाहिए। जिसमें माता-पिता, काउंसलर, हेल्थ प्रोफेशनल और सामाजिक समूहों को एकजुट होकर जोखिम वाले बच्चों के लिये एक सपोर्ट नेटवर्क तैयार करना चाहिए।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

तिरंगा : भारत की आन, बान और शान

हर्षवर्धन पान्डे

किसी भी देश का राष्ट्र ध्वज उसके स्वतंत्र होने का संकेत है। भारत का राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा केवल एक कपड़े या कागज का टुकड़ा नहीं है बल्कि यह भारत की आत्मा, इतिहास और संस्कृति का प्रतीक है। इसके तीन रंग केसरिया, सफेद, हरा और मध्य में अशोक चक्र भारतीयता के विभिन्न आयामों को दर्शाते हैं। तिरंगा न केवल स्वतंत्रता संग्राम की गाथा को बतलाता है, बल्कि यह भारत की एकता, विविधता और आकांक्षाओं का भी प्रतीक है। तिरंगे ने अपने रंगों से दुनिया में अपनी अद्वितीय छवि बनाई है। राष्ट्रीय ध्वज के लिए हथकरघा खादी (सूती या रेशमी) कपड़ा इस्तेमाल किया जाता है। तिरंगे झंडे में नीले रंग का अशोक चक्र धर्म तथा ईमानदारी के मार्ग पर चलकर देश को उन्नति की ओर ले जाने की प्रेरणा देता है।

तिरंगे का केसरिया रंग साहस, बलिदान और त्याग का प्रतीक है। यह उन लाखों स्वतंत्रता सेनानियों की याद दिलाता है जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। भारतीयता का यह पहलू हमें निःस्वार्थ भाव से देश के लिए समर्पित होने की प्रेरणा देता है। इसी तरह से सफेद रंग शांति और सत्य का प्रतीक यह रंग भारत की अहिंसावादी विचारधारा को रेखांकित करता है। महात्मा गांधी के नेतृत्व में अहिंसा और सत्याग्रह ने न केवल भारत को स्वतंत्रता दिलाई, बल्कि विश्व को शांति का संदेश भी दिया। यह रंग भारतीयता की उस भावना को दर्शाता है जो सहिष्णुता और सामंजस्य में विश्वास रखती है। हरा रंग समृद्धि, उर्वरता और प्रकृति के प्रति भारत की गहरी आस्था को दर्शाता है। भारत की संस्कृति में प्रकृति और पर्यावरण का विशेष स्थान रहा है। यह रंग हमें सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कार्य करने की प्रेरणा देता है। मध्य में नीले रंग का अशोक चक्र गतिशीलता और प्रगति का प्रतीक है। यह सम्राट अशोक के धर्म चक्र से प्रेरित है जो न्याय, धर्म और नैतिकता का प्रतीक है। यह चक्र भारतीयता के उस दर्शन को दर्शाता है जो निरंतर प्रगति और नैतिकता के मार्ग पर चलने को प्रेरित करता है। भारतीयता एक ऐसी अवधारणा है जो भारत की सांस्कृतिक, सामाजिक और ऐतिहासिक विविधता को समेटे हुए है। तिरंगा इस भारतीयता का एक जीवंत प्रतीक है।

भारत विभिन्न धर्मों, भाषाओं, संस्कृतियों और परंपराओं का देश है। तिरंगा इस विविधता को एक सूत्र में पिरोने का कार्य करता है। जैसे तिरंगे के तीन रंग एक साथ मिलकर एक पूर्ण ध्वज बनाते हैं वैसे ही भारत की विभिन्न संस्कृतियाँ और समुदाय एक साथ मिलकर भारतीयता का निर्माण करते हैं। यह ध्वज हमें सिखाता है कि भिन्नताओं के बावजूद हम एक हैं। तिरंगा स्वतंत्रता संग्राम का साक्षी रहा है। यह उन असंख्य बलिदानों का प्रतीक है जिन्होंने भारत को औपनिवेशिक शासन से मुक्ति दिलाई। भारतीयता का यह पहलू हमें स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता की भावना से जोड़ता है। तिरंगा हमें याद दिलाता है कि हमारी स्वतंत्रता अनमोल है और इसे बनाए रखने के लिए हमें सतत प्रयास करना होगा।

भारतीय इतिहास में 1905 से पहले पूरे भारत की अखंडता को दर्शाने के लिए कोई राष्ट्र ध्वज नहीं था। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान वर्ष 1905 में स्वामी विवेकानंद की शिष्य सिस्टर निवेदिता ने पहली बार पूरे भारत के लिए एक राष्ट्रीय ध्वज की कल्पना की थी। सिस्टर निवेदिता द्वारा बनाए गए ध्वज में कुल 108 ज्योतियाँ बनाई गई थी। यह ध्वज चौकोर आकार का था। ध्वज के दो रंग थे- लाल और पीला। लाल रंग स्वतंत्रता संग्राम और पीला रंग विजय का प्रतीक था। ध्वज पर बंगाली भाषा में वंदे-मातरम् लिखा गया था और इसके पास वज्र (एक प्रकार का हथियार) और केन्द्र में एक सफेद कमल का चित्र भी था। वर्तमान में इस ध्वज को आचार्य भवन संग्रहालय, कोलकाता में संरक्षित रखा गया है। इसके बाद 7 अगस्त 1906 को कोलकाता (तत्कालीन कलकत्ता) के पारसी बागान चौक में ध्वज को फहराया गया। कोलकाता ध्वज प्रथम भारतीय अनाधिकारिक ध्वज था। इसकी अभिकल्पना शचिन्द्र प्रसाद बोस ने की थी। झंडे में बराबर चौड़ाई की तीन क्षैतिज पट्टियाँ थीं। शीर्ष धारी नारंगी, केंद्र धारी पीली और निचली पट्टी हरे रंग की थी। शीर्ष पट्टी पर ब्रिटिश-शासित भारत के आठ प्रांतों का प्रतिनिधित्व करते 8 आधे खुले कमल के फूल थे और निचली पट्टी पर बाईं तरफ सूर्य और दाईं तरफ एक वर्धमान चाँद की तस्वीर अंकित थी। ध्वज के केंद्र में वन्दे-मातरम् का नारा अंकित किया गया था। इसी तरह पहली बार विदेशी धरती पर भारतीय ध्वज मैडम भीकाजी कामा द्वारा 22 अगस्त 1907 को अंतर्राष्ट्रीय सोशलिस्ट कांग्रेस केस्टटगार्ट में फहराया गया था। इस ध्वज को सप्तर्षि झंडे' के नाम से जाना जाता है। यह ध्वज काफी कुछ वर्ष 1906 के झंडे जैसा ही था लेकिन इसमें सबसे ऊपरी पट्टी का रंग केसरिया था और कमल के बजाए सात तारे सप्तऋषि के प्रतीक थे।

भारतीय धरती पर तीसरे प्रकार का तिरंगा होम रूल लीग के दौरान फहराया गया था। 'होम रूल आंदोलन' के दौरान कोलकाता में एक कांग्रेस अधिवेशन के दौरान यह ध्वज फहराया गया था। उस समय ध्वज स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई का प्रतीक था। इसमें 9 पट्टियाँ थीं, जिसमें 5 लाल रंग और 4 हरे रंग की थी। ध्वज के ऊपरी बाएँ कोने में यूनियन जैक था। शीर्ष दाएँ कोने में अर्धचंद्र और सितारा था। ध्वज के बाकी हिस्सों में सप्तर्षि के स्वरूप में सात सितारों को व्यवस्थित किया गया था। वर्ष 1921 में आंध्र प्रदेश के पिंगले वेंकय्या ने बिजावाड़ा (अब विजयवाड़ा) में गांधीजी के निदेशों के अनुसार सफेद,हरे और लाल रंग में पहला चरखा-झंडा डिजाइन किया था। इस ध्वज को स्वराज-झंडे के नाम से जाना जाता है। वर्ष 1931 ध्वज के इतिहास में एक यादगार वर्ष है। इस वर्ष तिरंगे ध्वज को हमारे राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया गया। यह ध्वज जो वर्तमान स्वरूप का पूर्वज है, केसरिया, सफेद और मध्य में गांधी जी के चलते हुए चरखे के साथ था।

ब्रिटिश सरकार द्वारा भारत को स्वतंत्र करने की घोषणा के बाद भारतीय नेताओं को स्वतंत्र भारत के लिए राष्ट्रीय ध्वज की आवश्यकता का एहसास हुआ। तदनुसार ध्वज को अंतिम रूप देने के लिए एक तदर्थ ध्वज समिति का गठन किया गया। सुरैया बद्र-उद-दीन तैयब द्वारा प्रस्तुत स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज के डिजाइन को 17 जुलाई 1947 को ध्वज समिति द्वारा अनुमोदित और स्वीकार किया गया था। समिति की सिफारिश पर 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने तिरंगे को स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाया। तिरंगे में तीन समान चौड़ाई की क्षैतिज पट्टियाँ हैं जिनमें सबसे ऊपर केसरिया रंग की पट्टी जो देश की ताकत और साहस को दर्शाती है। बीच में श्वेत पट्टी धर्म चक्र के साथ शांति और सत्य का संकेत है और नीचे गहरे हरे रंग की पट्टी देश के विकास और उर्वरता को दर्शाती है। तिरंगे के केंद्र में सफेद पट्टी के मध्य में गहरे नीले रंग का अशोक चक्र है जिसमें 24 तीलियाँ होती हैं। यह चक्र एक दिन के 24 घंटों और हमारे देश की निरंतर प्रगति को दर्शाता है। तिरंगे को भारत की महिलाओं की ओर से 14 अगस्त, 1947 को संविधान सभा के अर्द्ध-रात्रिकालीन अधिवेशन में समर्पित किया गया था।

भारत ने राष्ट्रीय चिन्ह को 26 जनवरी, 1950 को अपनाया था। भारत के तिरंगे झंडे के ध्वज की लंबाई और चौड़ाई का अनुपात 2:3 है। भारत का राज चिन्ह अशोक स्तम्भ के शीर्ष की एक प्रतिकृति है जो सारनाथ के संग्रहालय में सुरक्षित है। अशोक स्तम्भ तीन शेरों की आकृति जिसके नीचे एक चौखट के बीच में एक धर्म चक्र है। इस चक्र के दाई ओर एक बैल और बाई ओर एक अश्व है। चौखट के आधार पर 'सत्यमेव जयते' शब्द अंकित है। भारत के राजचिन्ह में तीन प्रकारे के छः जानवर हैं-शेर (चार), बैल (एक), अश्व (एक) भारत का यह चिन्ह भारत की एकता का घोतक है। राष्ट्रीय चिन्ह के दो भाग शीर्ष और आधार हैं। शीर्ष पर शेर साहस और शक्ति का प्रतीक है। राष्ट्रीय चिन्ह के आधार भाग में एक धर्म चक्र है। चक्र के दायीं ओर एक बैल है तथा बायीं ओर एक घोड़ा है जो स्फूर्ति का ताकत व गति का। 'सत्यमेव जयते' मुंडकोपनिषद से लिया गया है। 'सत्यमेव जयते' का अर्थ सत्य की ही विजय है। भारत के तिरंगे झंडे में चरखे की जगह 'चक्र' 1947 को अस्तित्व में आया। 26 जनवरी 2002 से फ्लैग कोड बदल गया है। भारतीयों को कहीं भी किसी भी समय गर्व के साथ झंडा फहराने की आजादी दे दी गयी है। अभी कुछ समय पूर्व सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद 19 ए अनुच्छेद के तहत ध्वज फहराने के अधिकार को मौलिक अधिकार के रूप में घोषित किया था जिसके बाद देश में भारतीय ध्वज को दिन -रात फहराने की अनुमति दे दी गई है।

15 अगस्त 1947 आजाद भारत के इतिहास का ऐतिहासिक दिन था जब अंग्रेजों की गुलामी से मुक्ति पाकर भारत में नई सुबह हुई थी। स्वतंत्रता मिलने के बाद पहली बार देशवासियों ने खुली हवा में साँस ली और देश प्रगति के पथ पर अग्रसर हुआ। आजादी के बाद से देश के कई प्रधानमंत्रियों और सरकारों को

देखा है लेकिन इस अमृतकाल में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार के हर-घर तिरंगा जन अभियानों के माध्यम से देश के प्रति जोश, जज्बा और प्रबल हुआ है। किसी भी देशवासी के लिए भारत और भारतीयता का भाव पहले होना चाहिए। यह मुहिम जाति ,धर्म,संप्रदाय से परे है और देश को इस अमृत काल में एकता के सूत्र में बांध सकती है। नागरिकों में देश प्रेम की भावना जगाने और संकीर्णता से बाहर निकालने का यही अमृतकाल है।

आज के समय में तिरंगा केवल एक राष्ट्रीय प्रतीक ही नहीं बल्कि भारत की आकांक्षाओं और सपनों का दर्पण भी है। यह हमें आत्मनिर्भर भारत, डिजिटल भारत और विकसित भारत के सपने को साकार करने की प्रेरणा देता है। हर घर तिरंगा जैसे अभियान भारतीयों को अपने ध्वज के प्रति गर्व और सम्मान की भावना को और गहरा करने का अवसर प्रदान करते हैं। तिरंगा झंडा भारत और भारतीयता का एक ऐसा प्रतीक है जो हमें हमारी जड़ों से जोड़ता है और भविष्य की ओर प्रेरित करता है। इसके रंग और चक्र हमें साहस, शांति, समृद्धि और प्रगति के मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा देते हैं। यह ध्वज हमें याद दिलाता है कि भारतीयता का अर्थ है विविधता में एकता, स्वाभिमान में साहस और शांति में प्रगति। तिरंगे के अक्स में हमारा भारत और हमारी भारतीयता न केवल जीवंत है बल्कि विश्व मंच पर एक प्रेरणा स्रोत के रूप में भी उभर रही है।

देश के प्रत्येक नागरिक को आजादी के इस अमृतकाल में इस पावन महायज्ञ में आहूति देकर पुण्य का भागीदार बनना चाहिए। तिरंगे को देखकर हर भारतीय के दिलों में राष्ट्रप्रेम की भावना उमड़ पड़ती है। राष्ट्र ध्वज देखकर उसके प्रति आदर भाव खुद ही जग जाता है। तिरंगा साहस, त्याग, बलिदान के रंगों से सरोबार है। तिरंगे को सम्मान देते हुए आज हर देशवासी का कर्तव्य है इस अमृतकाल में अपने घरों में तिरंगा लहराकर वह इस उत्सव को ऐतिहासिक बनाए। आजादी के रणबांकुरों ने अपने शौर्य से जिस प्रकार देश के लिए तन- मन न्यौछावर कर दिया उसी प्रकार तिरंगा झंडा लहराकर हमें भारतबोध का अहसास होगा जो शहीदों को अमृत काल में सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

सत्तापक्ष-विपक्ष के गतिरोध में घिरा संसद का मानसून सत्र

12 विधेयक पारित होने के बावजूद लोकसभा की 19 प्रतिशत और राज्यसभा की करीब 39 प्रतिशत उत्पादकता ने संसदीय कार्यप्रणाली, कार्यसमय और करदाताओं के धन पर खड़े किए गंभीर सवाल...

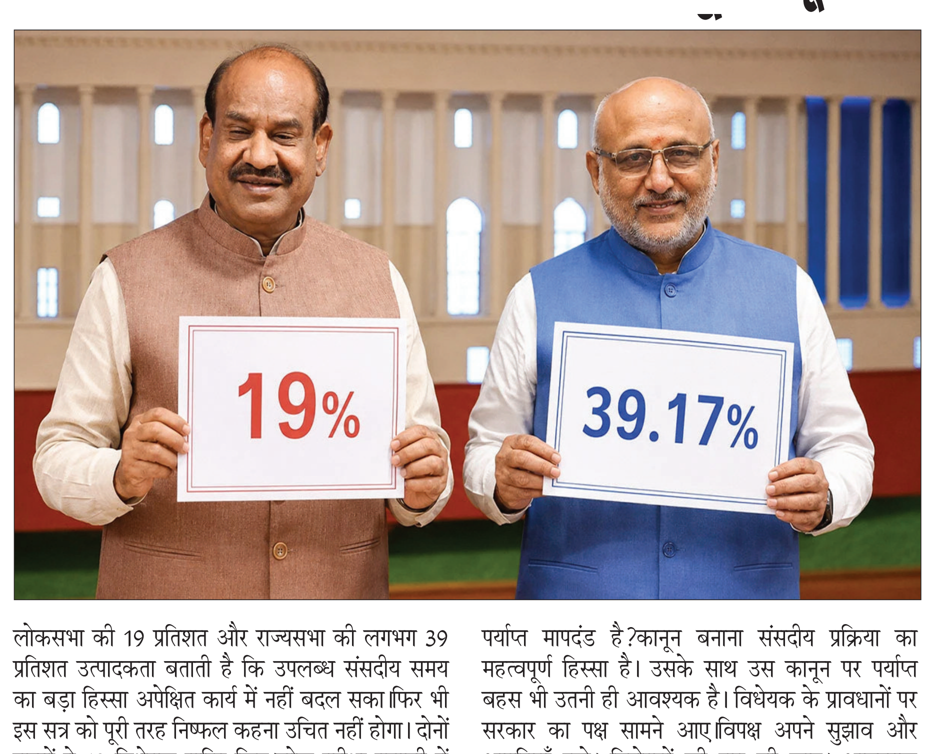

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संसद है।यही वह सर्वोच्च राष्ट्रीय मंच है जहाँ देश के करोड़ों नागरिकों की आकांक्षाएँ, समस्याएँ, अपेक्षाएँ और भविष्य की नीतियाँ कानून का स्वरूप ग्रहण करती हैं।संसद केवल विधेयक पारित करने की संस्था नहीं है। यह सरकार की जवाबदेही तय करने,विपक्ष को अपनी बात रखने और राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर सार्थक संवाद का संवैधानिक मंच है।

संसद का मानसून सत्र 2026 आज 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया। 20 जुलाई से शुरू हुए इस सत्र की 25 दिनों की अवधि में कुल 19 बैठकें हुईं। लोकसभा में 11 और राज्यसभा में 2 विधेयक पुरःस्थापित किए गए।दोनों सदनों द्वारा कुल 12 विधेयक पारित किए गए।इसके बावजूद लोकसभा की उत्पादकता केवल 19 प्रतिशत और राज्यसभा की लगभग 39 प्रतिशत रही।

ये आँकड़े केवल संसदीय रिकॉर्ड नहीं हैं। इनके पीछे एक गंभीर सवाल है कि संसद को उपलब्ध कराए गए समय का कितना हिस्सा वास्तव में जनता के सवालों, कानून निर्माण और राष्ट्रीय मुद्दों पर सार्थक चर्चा में बदल पाया।संसद की कार्यवाही का प्रत्येक घंटा देश की जनता की अमानत है। प्रश्नकाल में सांसद सरकार से सवाल पूछते हैं।शून्यकाल में तत्काल जनहित के विषय उठाए जाते हैं। विधेयकों पर चर्चा होती है। सरकार की नीतियों की समीक्षा होती है।विभिन्न राज्यों और समाज के अलग-अलग वर्गों की समस्याएँ राष्ट्रीय मंच तक पहुँचती हैं।ऐसे में संसद का एक घंटा केवल समय नहीं है।वह लोकतांत्रिक जवाबदेही का एक घंटा है।लंबे समय से संसदीय व्यय के संबंध में प्रति मिनट लगभग ढाई लाख रुपये के सार्वजनिक खर्च का अनुमान सामने आता रहा है। इस हिसाब से संसद की कार्यवाही के एक घंटे पर लगभग डेढ़ करोड़ रुपये और आठ घंटे के कार्यदिवस पर लगभग 12 करोड़ रुपये तक खर्च होने का अनुमान लगाया जाता है। इसमें सांसदों के वेतन और भत्ते, संसद सचिवालय,सुरक्षा,तकनीकी व्यवस्था,अनुवाद,प्रसारण, बिजली, रखरखाव और कर्मचारियों से संबंधित खर्च शामिल हैं।संसद चले या न चले,इन व्यवस्थाओं पर होने वाला अधिकांश खर्च जारी रहता है। इसलिए जब सदन हंगामे और स्थगन की वजह से बाधित होता है तो नुकसान केवल समय का नहीं होता। जनता के धन और लोकतांत्रिक अवसर दोनों प्रभावित होते हैं।संसदीय गतिरोध की समस्या नई नहीं है। पिछले वर्षों में भी कई सत्रों में व्यवधान के कारण निर्धारित कार्यसमय का बड़ा हिस्सा नष्ट हुआ है।वर्ष 2025 के मानसून सत्र में लोकसभा के लिए निर्धारित 120 घंटों में लगभग 37 घंटे ही बैठक हो सकी थी। इससे स्पष्ट है कि संसदीय समय का सदुपयोग लगातार चिंता का विषय बना हुआ है।मानसून सत्र 2026 में भी कम उत्पादकता का आँकड़ा सामने है। लोकसभा की 19 प्रतिशत और राज्यसभा की लगभग 39 प्रतिशत उत्पादकता बताती है कि उपलब्ध संसदीय समय का बड़ा हिस्सा अपेक्षित कार्य में नहीं बदल सका।फिर भी इस सत्र को पूरी तरह निष्फल कहना उचित नहीं होगा। दोनों सदनों ने 12 विधेयक पारित किए।लोक परीक्षा प्रणाली में अनुचित साधनों की रोकथाम को मजबूत करने वाला संशोधन युवाओं और प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता से जुड़ा महत्वपूर्ण कदम है।परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता युवाओं के भविष्य और व्यवस्था के प्रति उनके विश्वास दोनों के लिए आवश्यक है।जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण में संशोधन प्रशासनिक अभिलेखों की विश्वसनीयता से जुड़ा है। बैंककार बही साक्ष्य विधेयक डिजिटल युग की बैंकिंग व्यवस्था के अनुरूप कानूनी ढाँचे को आधुनिक बनाने का प्रयास है। सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम विकास संशोधन विधेयक छोटे कारोबारियों और उद्यमियों के लिए महत्वपूर्ण है। वित्त तक पहुँच आसान करना और विलंबित भुगतान से जुड़े विवादों का शीघ्र समाधान टरटए क्षेत्र को मजबूती दे सकता है।

अधिकरण सुधार विधेयक न्यायिक और प्रशासनिक व्यवस्था की दक्षता से जुड़ा है। खान और खनिज क्षेत्र से संबंधित संशोधन देश की आर्थिक आवश्यकताओं और आत्मनिर्भर भारत की दिशा से जुड़े हैं। राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम से संबंधित संशोधन सहकारी क्षेत्र को अधिक सक्षम बनाने का प्रयास है।वंदे मातरम को कानूनी संरक्षण देने वाला प्रावधान राष्ट्रीय भावना और स्वतंत्रता आंदोलन की स्मृतियों से जुड़ा है। केरल का नाम बदलकर केरलम करने का प्रस्ताव संवैधानिक प्रक्रिया और क्षेत्रीय पहचान का विषय है। विदेशी अभिदाय विनियमन संशोधन विधेयक को संयुक्त समिति को भेजा जाना इस बात का उदाहरण है कि जटिल विषयों पर विस्तृत विचार के लिए संसदीय समिति व्यवस्था का उपयोग किया जा सकता है। इन उपलब्धियों के बावजूद एक सवाल अपनी जगह कायम है। क्या विधेयक पारित होना ही संसद की सफलता का पर्याप्त मापदंड है?कानून बनाना संसदीय प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उसके साथ उस कानून पर पर्याप्त बहस भी उतनी ही आवश्यक है। विधेयक के प्रावधानों पर सरकार का पक्ष सामने आए।विपक्ष अपने सुझाव और आपत्तियाँ रखे। विशेषज्ञों की राय ली जाए। आवश्यक संशोधन हों। तभी कानून निर्माण की प्रक्रिया अधिक व्यापक और प्रभावी बन सकती है।लोकतंत्र में विरोध आवश्यक है। विपक्ष का काम सरकार की नीतियों पर सवाल उठाना है। जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाना है।सरकार का दायित्व है कि वह विपक्ष की आवाज सुने और महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा का अवसर दे।परन्तु विरोध और व्यवधान में अंतर है।विरोध लोकतंत्र को मजबूत करता है। लगातार व्यवधान लोकतंत्र की कार्यक्षमता को कमजोर करता है।यदि प्रश्नकाल बाधित होता है तो जनता के सवालों के उत्तर नहीं मिलते। शून्यकाल बाधित होता है तो तत्काल जनहित के मुद्दे सदन तक नहीं पहुँच पाते।विधेयकों पर पर्याप्त चर्चा नहीं होती तो कानून निर्माण की गुणवत्ता पर प्रश्न उठता है।यह भी उचित नहीं होगा कि हर व्यवधान के लिए केवल विपक्ष को जिम्मेदार ठहराया जाए।सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों संसद की गरिमा और कार्यवाही के लिए समान रूप से उत्तरदायी हैं। विपक्ष को अपनी आवाज उठाने का अधिकार है।सरकार को जवाब देने का दायित्व है।दोनों के बीच संवाद का रास्ता खुला रहना चाहिए।संसद किसी राजनीतिक दल का मंच नहीं है।यह पूरे राष्ट्र की संस्था है।आज भारत विकास के महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहा है।रेल,सड़क,रक्षा, डिजिटल अर्थव्यवस्था,अंतरिक्ष, हरित ऊर्जा,कृत्रिम बुद्धिमत्ता, विनिर्माण और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में बड़े बदलाव हो रहे हैं।ऐसे समय में संसद का प्रत्येक कार्यदिवस राष्ट्रीय महत्व रखता है।किसान अपनी समस्याओं का समाधान चाहता है।युवा रोजगार और परीक्षा व्यवस्था पर जवाब चाहता है।छोटे कारोबारी वित्त और कारोबार की कठिनाइयों पर चर्चा चाहते हैं।आम नागरिक शिक्षा, स्वास्थ्य,महँगाई,सुरक्षा और विकास से जुड़े प्रश्नों पर सरकार से जवाब चाहता है।

इन सभी सवालों का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक मंच संसद है। करदाता भी यह जानना चाहता है कि संसद के संचालन पर खर्च होने वाला उसका पैसा किस प्रकार जनहित में परिवर्तित हो रहा है। इसलिए संसदीय उत्पादकता केवल एक प्रशासनिक आँकड़ा नहीं है।यह जनता के प्रति लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व का भी पैमाना है।

संसदीय गतिरोध की कीमत केवल रुपये में नहीं आँकी जा सकती। सबसे बड़ी कीमत लोकतांत्रिक विश्वास की होती है। जनता अपने प्रतिनिधियों को इसलिए चुनती है कि वे उसकी आवाज संसद में उठाएँ। यदि वही संसद बार-बार हंगामे और स्थगन की तस्वीर प्रस्तुत करे तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जनता को मिला प्रतिनिधित्व किस सीमा तक प्रभावी हो पाया।

सत्ता पक्ष को यह समझना होगा कि बहुमत केवल कानून पारित करने की शक्ति नहीं है। बहुमत के साथ संवाद और जवाबदेही की जिम्मेदारी भी आती है। विपक्ष को भी समझना होगा कि प्रभावी विरोध का अर्थ सदन को लगातार रोकना नहीं है।तीखी बहस हो सकती है। सरकार से कठोर प्रश्न पूछे जा सकते हैं।जनहित के मुद्दों पर दबाव बनाया जा सकता है। किंतु संसद की पूरी कार्यवाही को बाधित करना लोकतांत्रिक उद्देश्य को कमजोर करता है।

आवश्यकता इस बात की है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों राजनीतिक लचीलेपन का परिचय दें।महत्वपूर्ण राष्ट्रीय विषयों पर सर्वदलीय संवाद को मजबूत किया जाए।संसदीय समितियों की भूमिका बढ़ाई जाए।प्रश्नकाल और शून्यकाल को अधिक प्रभावी ढंग से संरक्षित किया जाए।संसदीय आचार और मयार्दा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।मानसून सत्र 2026 अपने साथ 12 विधेयकों के पारित होने की उपलब्धि लेकर समाप्त हुआ है। साथ ही लोकसभा की 19 प्रतिशत और राज्यसभा की करीब 39 प्रतिशत उत्पादकता का आँकड़ा भी छोड़ गया है।यह आँकड़ा सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के लिए आत्ममंथन का अवसर है।संसद में मतभेद रहें।राजनीतिक संघर्ष रहे। सरकार से सवाल पूछे जाएँ।विपक्ष की आलोचना हो। लेकिन संवाद का रास्ता बंद नहीं होना चाहिए।संसद चलेगी तो सवाल उठेंगे।सवाल उठेंगे तो जवाब माँगे जाएँगे।जवाब मिलेंगे तो जवाबदेही तय होगी।जवाबदेही तय होगी तो बेहतर कानून बनेंगे। बेहतर कानून बनेंगे तो देश की विकास यात्रा को नई गति मिलेगी।अंततः संसद किसी सरकार की नहीं है।संसद किसी विपक्ष की नहीं है। संसद पूरे भारत की है। वहाँ व्यतीत होने वाला प्रत्येक मिनट जनता की अमानत है।वहाँ होने वाली प्रत्येक सार्थक बहस लोकतंत्र की पूँजी है।संसद का प्रत्येक मिनट जनता की गाढ़ी कमाई से जुड़ा है। इसलिए सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों का दायित्व है कि राजनीतिक हितों से ऊपर उठकर संसद की गरिमा,लोकतांत्रिक परंपराओं और राष्ट्रीय उत्तरदायित्व का निर्वहन करें।

लोकतंत्र की वास्तविक विजय सत्ता पक्ष की जीत या विपक्ष की हार में नहीं है। लोकतंत्र की विजय तब होगी जब संसद चलेगी, संवाद होगा,जनता के सवाल उठेंगे, सरकार जवाब देगी और देशहित में निर्णय होंगे।

धनौरा में 48 घंटे बाद मिला नदी में डूबे युवक का शव, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा, जांच में जुटी

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा थाना क्षेत्र में स्थित बाहें नदी में डूबे युवक का शव पुलिस ने गुरुवार को बरामद कर लिया। जिसको पीएसी और स्थानीय गोताखोरों की टीम की मदद से नदी से बाहर निकल गया। इस कार्य को अंजाम देने के लिए पीएसी और स्थानीय गोताखोरों को कड़ी मशक्कत का सामना करना पड़ा। इसके बाद पुलिस ने मृतक युवक के शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया और आगे की कार्यवाही शुरू कर दी। बता दें कि पूरी घटना बीते मंगलवार की है जब थाना क्षेत्र के गांव आसिफपुरा निवासी 30 वर्षीय राजेंद्र सैनी पुत्र मलखान सैनी मंगलवार दोपहर अपने साथी दोस्त रोबिन (आसिफपुरा) तथा आजमपुर निवासी योगेश व खेमा के साथ दो बाइकों पर गंगा खादर क्षेत्र में आई बाढ़ देखने गए थे।चारों दोस्त घूमते हुए झुंडपुरा रफातपुर स्थित बाहें नदी के पुल के पास पहुंच गए, जहां नहाते समय राजेंद्र गहरे पानी में बह गया और डूब गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए थे। सीओ पंकज त्यागी और मंडी धनौरा थाना प्रभारी सतेन्द्र सरोहा ने घटनास्थल का दौरा किया और परिजनों को हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। एसडीएम शैलेश कुमार दुबे भी लगातार परिजनों के संपर्क में बने रहे।नायब तहसीलदार अमित कुमार, लेखपाल रमेश सैनी और शेरपुर चौकी प्रभारी राजकिशोर की देखरेख में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा था। पीएसी और स्थानीय गोताखोरों की संयुक्त टीम ने दो दिनों की तलाश के बाद गुरुवार को शव बरामद किया।

धनौरा में जान पहचान बताकर, युवक बाइक लेकर फरार,पीड़ित ने दी तहरीर, पुलिस जांच में जुटी

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा थाना क्षेत्र में एक युवक ने दूसरे युवक को जान पहचान का हवाला देते हुए से बाइक लेकर चला गया और वापस नहीं लौटा। इस मामले में पीड़ित युवक ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर कार्यवाही की मांग की है उधर पुलिस भी इस मामले की जांच में जुटी हुई है।

बता दें कि पूरा मामला थाना मंडी धनौरा क्षेत्र के गांव पेली तगा का है। जहां पर गुरुवार को जान-पहचान का फायदा उठाकर धोखाधड़ी का एक मामला सामने आया है। यहां एक युवक ने दुकानदार से मोटरसाइकिल मांगी और उसे लेकर फरार हो गया। बाद में इस मामले में आरोपी के परिजनों ने चौंकाने वाला खुलासा किया।ग्राम पेली तगा निवासी प्यारेलाल त्यागी की गांव में दुकान है। बीते 12 अगस्त की शाम करीब 5 बजे ग्राम पत्तेई, थाना रहरा निवासी अंकुर त्यागी उनकी दुकान पर आया। अंकुर ने बिरादरी और हल्की जान-पहचान का हवाला देकर प्यारेलाल से कपसुआ गांव जाने के लिए आधे घंटे के लिए बाइक मांगी। प्यारेलाल ने विश्वास कर अपनी सिल्वर रंग की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल (नंबर वढ 23 र 4182) उसे दे दी।काफी समय बीत जाने के बाद भी जब अंकुर बाइक लेकर नहीं लौटा, तो पीड़ित प्यारेलाल ने उसके परिजनों और रिश्तेदारों से संपर्क किया। इस पर परिजनों ने बताया कि अंकुर का यही 'धंधा' है।

वह अक्सर लोगों से इसी तरह गाड़ियां मांगकर ले जाता है और उन्हें बेच देता है या कटवा देता है।धोखाधड़ी का अहसास होने पर पीड़ित प्यारेलाल त्यागी ने पहले रामपुर तगा चौकी पर तहरीर दी। इसके बाद उन्होंने मंडी धनौरा थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज करने के लिए तहरीर दी है। प्यारेलाल ने आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर अपनी बाइक बरामद कराने की मांग की है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

अमरोहा में प्रस्तावित पुनरीक्षित सर्किल दरों पर 25 अगस्त तक आपत्ति एवं सुझाव आमंत्रित

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने सर्वसाधारण को सूचित किया है कि उत्तर प्रदेश स्टाम्प (सम्पत्ति का मूल्यांकन) नियमावली, 1997 तथा द्वितीय संशोधन नियमावली, 2013 एवं तृतीय संशोधन नियमावली, 2015 के अंतर्गत जनपद अमरोहा की समस्त तहसीलों से संबंधित मूल्यांकन सूची की पुनरीक्षित दरें निर्धारित किए जाने हेतु प्रस्तावित की गई हैं। प्रस्तावित पुनरीक्षित सर्किल दरों के अनुसार सामान्य ग्रामीण क्षेत्रों में सर्किल दरों में 10 प्रतिशत, विकासशील क्षेत्रों में आवासीय/कृषि भूमि की दरों में 15 प्रतिशत तथा समस्त नगरीय, लघुत्तर नगरीय एवं अर्धनगरीय क्षेत्रों में आवासीय/कृषि भूमि की दरों में 20 प्रतिशत की वृद्धि प्रस्तावित है। राष्ट्रीय राजमार्ग/राज्यमार्ग पर स्थित ग्रामों में कृषि/अकृषिक भूमि की दरों में 5 से 20 प्रतिशत तक वृद्धि प्रस्तावित की

गई है। इसके अतिरिक्त कतिपय ऐसे राजस्व ग्रामों में, जिनमें भिन्नता को समतुल्य करते हुए ज्यादा भिन्नता वाले ग्रामों में अधिकतम 30 प्रतिशत तक वृद्धि प्रस्तावित है। किसानों की मांग के दृष्टिगत गंगा एक्सप्रेसवे परियोजना के अंतर्गत आने वाले समस्त राजस्व ग्रामों में प्रचलित दरों की भिन्नता को दूर करते हुए आसपास के ग्रामों के समतुल्य करने के लिए अधिकतम 48 प्रतिशत तक वृद्धि प्रस्तावित की गई है। तहसील हसनपुर में गंगा एक्सप्रेसवे की सर्विस लेन पर स्थित कृषि भूमि की नवीन दरें भी प्रस्तावित की गई हैं। जनपद के नगरीय, अर्धनगरीय, विनियमित क्षेत्रों तथा राष्ट्रीय राजमार्ग/राज्यमार्ग एवं जनपदीय मार्गों पर स्थित कृषि भूमि को बाजारी मूल्य के समतुल्य लाने के दृष्टिगत वेटिंग प्रणाली भी प्रस्तावित की गई है। प्रस्तावित दर सूची की तहसीलवार एक-एक प्रति सार्वजनिक अवलोकनार्थ कार्यालय अपर जिलाधिकारी (वि./रा.), अमरोहा, कार्यालय सहायक महानिरीक्षक निबन्धन, अमरोहा तथा प्रत्येक उप जिलाधिकारी एवं उप निबन्धक कार्यालय में उपलब्ध है। प्रस्तावित दर सूची एनआईसी की वेबसाइट पर भी अपलोड की गई है। किसी भी व्यक्ति को प्रस्तावित दरों के संबंध में कोई आपत्ति अथवा सुझाव हो तो वह 14 अगस्त 2026 से 25 अगस्त 2026 की शाम 5:00 बजे तक संबंधित कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से अथवा प्रतिनिधि के माध्यम से लिखित रूप में प्रस्तुत कर सकता है। 25 अगस्त 2026 की शाम 5:00 बजे के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा। प्राप्त आपत्तियों का निस्तारण 01 सितंबर 2026 से 03 सितंबर 2026 तक किया जाएगा। आपत्तियों के निस्तारण के स्थान एवं समय की सूचना बाद में प्रकाशित की जाएगी।

रजबपुर पुलिस ने चोरी की घटना में शामिल 4 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार, कब्जे से चोरी किया माल बरामद,न्यायालय भेजा

रजबपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की थाना रजबपुर पुलिस ने चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। जिनके कब्जे से पुलिस में चोरी किया हुआ एक स्टेबलाइजर, एक टैबलेट सैमसंग कंपनी, एक एलईडी 32 इंच,एक प्रिंटर, एक मोटरसाइकिल तथा घटना में प्रयोग की गई एक सेंट्रो कार बरामद की है। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए सभी अभियुक्तों को अपराध की संबंधित धाराओं में कार्यवाही करते हुए न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है। बता दें कि इस मामले में पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 2 अगस्त 2026 की रात्रि करीब 2:00 बजे थाना क्षेत्र के गांव मिलक मेहमदी के पास स्थित फार्म हाउस डिनर प्वाइंट से अज्ञात कुछ चोरों द्वारा सामान चोरी कर लेने के संबंध में वादी सतीश कुमार पुत्र राजेंद्र सिंह निवासी ग्राम मिलक मेहमदी, थाना रजबपुर जनपद अमरोहा के प्रार्थना पत्र के आधार पर 12 अगस्त 2026 को थाना रजबपुर पर मुकदमा पंजीकृत किया गया था। घटना के शीघ्र अनावरण एवं अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए थाना रजबपुर पुलिस द्वारा लगातार सुरागरसी-पतारसी, संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्तों की तलाश की जा रही थी, जिसके क्रम में 13 अगस्त 2026 को उप निरीक्षक जितेंद्र कुमार द्वारा पुलिस टीम के साथ ग्राम मिलक मेहमदी के फार्म हाउस से चोरी की घटना में शामिल अभियुक्त गणों को चोरी के माल सहित सफेद रंग की सेंट्रो कार में गुलड़िया रोड खालकपुर तिराहा के पास चोरी का सामान बेचने के उद्देश्य से खड़े हैं, इसकी सूचना मुखबिर से प्राप्त होने पर पुलिस टीम द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी करते हुए कर अभियुक्तों को सफेद रंग की सेंट्रो कार सहित गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों की तलाशी एवं वाहन की तलाशी के दौरान कार के डैशबोर्ड से एक सैमसंग कंपनी का टेबलेट, एक 32 इंच हायर कंपनी की एलइडी, एक स्टेबलाइजर और एक प्रिंटर बरामद किया गया। पुलिस द्वारा गिरफ्तार अभियुक्तों से की गई पूछताछ में उन्होंने बताया कि उन्होंने 21 जुलाई 2026 की रात्रि में थाना नौगांवा सादात क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गजस्थल के बाहर क्रेशर पर बने मकान से भी मोटरसाइकिल होंडा सीडी 110 ,स्टेबलाइजर की चोरी की घटना को अंजाम दिया था। उक्त घटना के संबंध में थाना नौगांवा सादात में भी उक्त गिरफ्तार अभियुक्त गणों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत होना पाया गया।

पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में अर्जुन पुत्र हरि सिंह निवासी ग्राम जुझैला कलां थाना शिवाला कलां जनपद बिजनौर ,रोहित पुत्र रामप्रसाद निवासी अख्तियारपुर थाना मंडी धनोरा जनपद अमरोहा ,अंकुर पुत्र लाल सिंह निवासी ग्राम मिजार्पुर थाना नौगांवा सादात जनपद अमरोहा व अमित पुत्र अमर सिंह निवासी अख्तियारपुर थाना मंडी धनौरा जनपद अमरोहा शामिल हैं। जिनको पुलिस द्वारा अपराध की संबंधित धाराओं में वैधानिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।

हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत बैंड बाजे, राष्ट्रभक्ति गीतों एवं तरानों के साथ भव्यता से निकाली गई तिरंगा रैली

अमरोहा (सब का सपना):- हर घर तिरंगा अभियान के तहत ढोल-नगाड़े, बैंड-बाजे, देशभक्ति गीतों एवं तरानों के साथ भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। तिरंगा रैली ज्योतिबाफुले चौक से प्रारम्भ होकर शहीद स्मारक स्थल में जाकर सम्पन्न हुई। तिरंगा रैली में मुख्य अतिथि पूर्व राज्यसभा सांसद कान्ता कर्दम, पूर्व मंत्री मदन चौहान, जिलाध्यक्ष भाजपा उदयगिरि गोस्वामी, जिला पंचायत अध्यक्ष ललित तंवर, विधायक धनौरा राजीव तरारा, पूर्व सांसद देवेन्द्र नागपाल, नगर पालिका अध्यक्षा अमरोहा शशि जैन आदि सहित अन्य जनप्रतिनिधिग सम्मिलित हुए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, जिला सूचना अधिकारी मो. दानिश सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। रैली के दौरान वंदे मातरम् और भारत माता की जय जैसे नारों से गगन गूंजायमान हो उठा। रैली में शामिल बच्चों, युवाओं एवं महिलाओं के उत्साह और राष्ट्र के प्रति समर्पण ने उपस्थित जनसमुदाय को भी प्रभावित किया। जिले के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने रैली में प्रतिभाग कर राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं देशप्रेम का संदेश दिया। सभी के हाथों में तिरंगे झंडे थे, जो जनमानस को राष्ट्रध्वज के सम्मान और गर्व की भावना से जोड़ने का सशक्त माध्यम बने। नागरिकों से अपने-अपने घरों पर तिरंगा झंडा लगाने की अपील की गई। इस अवसर पर वंदे मातरम् एवं राष्ट्रगान का सामूहिक गायन भी किया गया। तिरंगा रैली में जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण, कर्मचारी, पार्टी पदाधिकारी एवं आमजनमानस के साथ स्कूली छात्र-छात्राएं हाथों में तिरंगा लिए रैली की शोभा बढ़ा रहे थे। बीच-बीच में देशभक्ति से ओतप्रोत नारे वातावरण में गुंजायमान होकर समूचे माहौल को राष्ट्रभक्ति से लबरेज कर रहे थे। रैली के समापन स्थल शहीद स्मारक पर सैल्फी प्वाइंट बनाया गया था, जिसमें जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित रैली में शामिल युवाओं, महिलाओं एवं स्कूली बच्चों ने सैल्फी ली। इसके उपरांत शहीद स्मारक स्थल पर पुष्प अर्पित कर स्वतन्त्रता सेनानियों को नमन एवं श्रद्धांजलि अर्पित की। तदोपरान्त लगाई गई तिरंगा प्रदर्शनी का बारीकी से अवलोकन कर तिरंगे के इतिहास को जाना। मुख्य अतिथि पूर्व राज्यसभा सांसद कान्ता कर्दम ने कहा कि पूरे देश और प्रदेश में हर घर तिरंगा रैली का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले स्वतन्त्रता सेनानियों को नमन किया। उन्होंने कहा कि आज हम आजादी की सांस ले रहे हैं, इसके लिए स्वतन्त्रता सेनानियों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया था। उन्होंने सभी के उज्वल एवं सुनहरे भविष्य की कामना की। जिलाध्यक्ष भाजपा उदयगिरि गोस्वामी ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान राष्ट्र के प्रति सम्मान और गौरव की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम है। तिरंगा हमारी आन, बान और शान का प्रतीक है तथा यह देश की एकता एवं अखंडता को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि हम सभी को राष्ट्रध्वज के सम्मान के साथ इस अभियान में सहभागिता करते हुए देश के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए। विधायक धनौरा राजीव तरारा ने कहा कि आज हर घर तिरंगा अभियान देश के प्रत्येक नागरिक की राष्ट्रभक्ति का महापर्व है। तिरंगा हमारी आजादी, एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रतीक है। हम सभी का दायित्व है कि अपने-अपने घरों, प्रतिष्ठानों एवं संस्थानों पर पूरे सम्मान के साथ तिरंगा फहराएं और राष्ट्रध्वज संहिता का पालन करें। आइए, हम सभी मिलकर स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान को नमन करें तथा देश की उन्नति और विकास में अपना योगदान देने का संकल्प लें। पूर्व सांसद देवेन्द्र नागपाल ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान के तहत जनपद की सभी विधानसभाओं में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस अभियान के माध्यम से देशप्रेम एवं राष्ट्रभक्ति की भावना से सभी जाति, धर्म, वर्ण एवं सम्प्रदाय के लोग राष्ट्रधर्म के इस पर्व में सहभागिता कर रहे हैं। जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक के मन में राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान एवं राष्ट्रप्रेम की भावना को और अधिक सशक्त बनाना है। जनपद के सभी नागरिकों से अपेक्षा है कि वे इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लें तथा अपने घरों और कार्यस्थलों पर तिरंगा फहराकर देश के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करें। सभी विभाग, शैक्षणिक संस्थान, ग्राम पंचायतें एवं स्थानीय निकाय समन्वय के साथ अभियान को सफल बनाएं। हमारा सामूहिक प्रयास ही इस अभियान को जन-जन का उत्सव बनाएगा। आइए, हम सभी एकजुट होकर राष्ट्र की एकता, अखंडता और गौरव को सुदृढ़ करने का संकल्प लें।

खाद्य विभाग की कार्रवाई, लेमन ट्री होटल से अरहर दाल का नमूना जांच को भेजा

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के प्रवर्तन दल ने गुरुवार को आई जनरेशन मॉल, आटा, चंदौसी स्थित विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं स्वच्छता व्यवस्था की जांच की। कार्रवाई के दौरान लेमन ट्री होटल की किचन में पैकेज्ड खाद्य सामग्री पर अनिवार्य सूचनाएं अंकित नहीं मिलने पर विभाग ने नमूना लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा तथा सुधार हेतु नोटिस जारी किया।

निरीक्षण के दौरान लेमन ट्री होटल की किचन में दाल सहित अन्य पैकेज्ड रॉ मैटेरियल्स का उपयोग होता पाया गया। इन पैकेटों पर निमार्ता का नाम, लाइसेंस नंबर, बैच नंबर तथा अन्य अनिवार्य जानकारियां अंकित नहीं थीं। खाद्य विभाग ने इसे खाद्य पदार्थों की पैकेजिंग एवं लेबलिंग संबंधी मानकों का उल्लंघन माना। मौके से अरहर दाल का नमूना जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया। साथ ही होटल प्रबंधन को सुधार हेतु नोटिस जारी करते हुए ऐसी सामग्री का उपयोग नहीं करने के निर्देश दिए गए।

इसके अलावा विभागीय टीम ने रोल एंड डॉसा की किचन का भी निरीक्षण किया। यहां साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक नहीं मिली। वहीं आवश्यक अभिलेख भी प्रस्तुत नहीं किए जा सके। इस पर प्रतिष्ठान को नोटिस जारी किया गया।

सहायक आयुक्त (खाद्य) ग्रेड-2 मानवेन्द्र सिंह ने बताया कि खाद्य प्रतिष्ठानों में गुणवत्ता, स्वच्छता और खाद्य पदार्थों की पैकेजिंग एवं लेबलिंग मानकों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए प्रवर्तन कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

डिडौली क्षेत्र में महिला की मौत,मायके पक्ष ने पति पर लगाया हत्या का आरोप, पुलिस से निष्पक्ष जांच की मांग

डिडौली/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना डिडौली क्षेत्र में एक महिला की मौत के बाद मायके पक्ष ने उसके पति पर हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस प्रशासन से इस मामले में निष्पक्ष जांच की मांग की है। इस मामले में मृतका के परिजन गुरुवार को अमरोहा एसपी कार्यालय पहुंचे और घटना के संबंध में पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र सौंपा। जिसमें पुलिस अधीक्षक अमरोहा ने उन्हें मामले की जांच कराने का आश्वासन दिया है।

बता दें कि पूरा मामला डिडौली थाना क्षेत्र के चौधरपुर गांव का है जहां पर 10 अगस्त को हुई वकीला खातून की मौत के मामले में नया मोड़ आया है। मृतका के भाई जैनुल ने अपने बहनोई मोहम्मद शफी पर बहन की हत्या करने का आरोप लगाया है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।वकीला खातून पत्नी मोहम्मद शफी और पुत्री हाजी कल्लू की फांसी लगाने से मौत होने की सूचना मिली थी। इसके बाद गुरुवार दोपहर मृतका के मायके पक्ष के लोग अमरोहा एसपी कार्यालय पहुंचे और पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र सौंपा।गजरौला थाना क्षेत्र के मोहम्मदाबाद गांव निवासी जैनुल का आरोप है कि उनकी बहन ने आत्महत्या नहीं की, बल्कि उसकी हत्या की गई है। उन्होंने घटना की पूरी जांच कर सच्चाई सामने लाने और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।शिकायत मिलने के बाद पुलिस अधीक्षक ने मामले की जांच कराने का आश्वासन दिया है। पुलिस अब महिला की मौत के वास्तविक कारण और घटना की परिस्थितियों की जांच करेगी।फिलहाल हत्या के आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही वकीला खातून की मौत की वास्तविक वजह और घटना में किसी की भूमिका स्पष्ट हो सकेगी। घटना के बाद मायके पक्ष में आक्रोश है।

केनरा बैंक आरसेटी बहजोई में जूनियर ब्यूटी प्रैक्टिशनर बैच का समापन

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के केनरा बैंक आरसेटी, बहजोई में 7 जुलाई से संचालित जूनियर ब्यूटी प्रैक्टिशनर प्रशिक्षण बैच का अंतिम मूल्यांकन के उपरांत गुरुवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में संभल जनपद के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों से आए प्रशिक्षुओं ने भाग लिया। प्रशिक्षुओं का मूल्यांकन ईडीपी एसेसर राजीव कुमार (चंदौसी) एवं Domain Assessor डोमेन एसेसर रूबी चौधरी (बिजनौर) द्वारा किया गया। मूल्यांकन के दौरान प्रशिक्षुओं से जूनियर ब्यूटी प्रैक्टिशनर प्रशिक्षण से संबंधित ऑनलाइन परीक्षा, प्रशिक्षण के दौरान अर्जित ज्ञान, प्रयोगात्मक परीक्षण तथा मौखिक प्रश्नों के माध्यम से उनकी दक्षता का आकलन किया गया। प्रशिक्षण एवं

मूल्यांकन के दौरान आरसेटी के मेस द्वारा प्रशिक्षुओं को नाश्ता एवं दोपहर का भोजन भी उपलब्ध कराया गया। अंतिम मूल्यांकन के पश्चात प्रशिक्षुओं ने मूल्यांकनकताओं के साथ स्मृति के रूप में ग्रुप फोटो खिंचवाई। प्रशिक्षण के समापन पर प्रशिक्षुओं में उत्साह एवं आत्मविश्वास देखने को मिला। यह प्रशिक्षण ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को सौंदर्य सेवाओं के क्षेत्र में कौशल प्रदान कर उन्हें स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने में सहायक होगा। इस अवसर पर संकाय मानसी शर्मा, कार्यालय सहायक सुजीत सिंह, विशेष, रनवीर सिंह, विकास बाबू एवं अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे। यहां वर्तमान में जूनियर ब्यूटी प्रैक्टिशनर और कृषि उद्यमी कोर्स के माध्यम से कुल 70 युवाओं को निःशुल्क कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। भविष्य की योजनाओं पर बोलते हुए संस्थान अधिकारियों ने कहा कि आगामी बैचों में डीटीपी (डेस्कटॉप पब्लिशिंग), महिला सिलाई, मोबाईल रेपयरिंग, आर्टिफिशियल ज्वेलरी मेकिंग, राजमिस्त्री इत्यादि कोर्स शुरू होने वाले हैं। इसके लिए, 01 अगस्त से मोबाइल रेपयरिंग, एसी और फ्रीज रेपयरिंग, उद्यमिता विकास एवं सिलाई इत्यादि के बैचों के लिए आवेदन भरे जा रहे हैं। इच्छुक युवा संस्थान कार्यालय बहजोई या 05921-297253/ 7906846414 पर संपर्क कर सकते हैं।

राजमाता अहिल्याबाई होल्कर की पुण्यतिथि पर सपाइयों ने अर्पित की श्रद्धांजलि

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिला संभल समाजवादी पार्टी के कैंप कार्यालय बहजोई पर गुरुवार को राजमाता अहिल्याबाई होल्कर की पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार सहित पार्टी पदाधिकारियों एवं सम्मानित कार्यकताओं ने राजमाता अहिल्याबाई होल्कर के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने कहा कि 13 अगस्त 1795 को इंदौर की महान शासिका राजमाता अहिल्याबाई होल्कर ने अंतिम सांस ली थी। उन्हें लोकमाता और जनता की मां के रूप में जाना जाता है। उन्होंने लगभग 30 वर्षों तक मालवा पर शासन करते हुए न्यायप्रिय, धर्मपरायण और जनसेवा पर आधारित शासन की मिसाल कायम की। उन्होंने कहा कि राजमाता अहिल्याबाई होल्कर ने पूरे भारत में अनेक मंदिरों, घाटों, कुओं, धर्मशालाओं और सड़कों का निर्माण कराया। काशी विश्वनाथ, सोमनाथ, द्वारका, गया और रामेश्वरम सहित विभिन्न प्रमुख तीर्थस्थलों के जीर्णोद्धार में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने अपने शासनकाल में महिलाओं को न्याय एवं सुरक्षा प्रदान कर नारी सशक्तिकरण की मजबूत मिसाल पेश की। जिला महासचिव ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर का मानना था कि राजकोष जनता का है और उसका उपयोग जनता की भलाई के लिए होना चाहिए। उनका जीवन हमें ईमानदारी, दयालुता, कर्मठता और जनसेवा की प्रेरणा देता है।

उनके आदर्श आज भी राजनीति और समाज के लिए मार्गदर्शक हैं। कार्यक्रम में शोभित कुमार, काका अशोक राणा, सद्दाम कुरैशी, सूरज यादव, जितेंद्र जाटव, चेतन गुप्ता, मनीष यादव, शिवम यादव, कैलाश श्रीवास्तव, प्रधान जुम्मा खां, खुशी मोहम्मद, मुस्तफा, जाहिद, वाहिद, सलमान, रवि शंखधार आदि मौजूद रहे।

डीएम का औचक निरीक्षण, खाद वितरण से लेकर बीआरसी की व्यवस्थाएं परखी

गुन्नौर/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल ने गुरुवार को खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय गुन्नौर, कार्यालय परिसर स्थित बीआरसी सेंटर तथा बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति लिमिटेड (वी-पैक्स) का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने और आवश्यक सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय परिसर में स्थित पार्क का निरीक्षण करते हुए जिलाधिकारी ने खण्ड विकास अधिकारी गुन्नौर कमलकांत को निर्देशित किया कि विकास खण्ड क्षेत्र से संबंधित स्वतंत्रता सेनानियों के नाम शिलापट्ट पर अंकित कराए जाएं। उन्होंने पार्क एवं कार्यालय परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था को बेहतर रखने तथा नियमित रूप से स्वच्छता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके बाद जिलाधिकारी ने बीआरसी सेंटर का निरीक्षण किया। उन्होंने सेंटर पर उपलब्ध व्यवस्थाओं, स्टाफ तथा पुस्तकों के वितरण की स्थिति के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए व्यवस्थाओं को व्यवस्थित रखने पर जोर दिया। जिलाधिकारी ने बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति लिमिटेड (वी-पैक्स) का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्टॉक रजिस्टर का अवलोकन कर खाद के भंडार की स्थिति की जानकारी ली। खाद लेने पहुंचे किसानों से उपलब्धता के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा संबंधित अधिकारियों से डीएपी एवं एनपीके खाद की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों को खाद की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए और वितरण व्यवस्था में किसी भी प्रकार की समस्या न होने दी जाए। उन्होंने स्टॉक एवं वितरण व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी गुन्नौर अवधेश कुमार, खण्ड विकास अधिकारी गुन्नौर कमलकांत, खण्ड शिक्षा अधिकारी गुन्नौर अरुण कुमार सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

शिक्षिकाओं ने निकाली भव्य स्कूटी तिरंगा रैली, हर घर तिरंगा का दिया संदेश

बहजोई/संभल(सब का सपना):- हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत गुरुवार को कलक्ट्रेट परिसर से बेसिक शिक्षा विभाग के विभिन्न विद्यालयों की शिक्षिकाओं द्वारा भव्य स्कूटी तिरंगा रैली निकाली गई। रैली का नेतृत्व जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा ने किया। स्कूटी तिरंगा रैली को जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल, पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई, पूर्व मंत्री एवं पूर्व विधायक गुन्नौर अजीत कुमार राजू यादव तथा मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में शामिल शिक्षिकाएं हाथों में राष्ट्रध्वज लेकर देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम का संदेश देती नजर आईं। रैली कलक्ट्रेट परिसर से प्रारंभ होकर खाटू श्याम मंदिर एवं रेलवे रोड, बहजोई होते हुए जिला बेसिक शिक्षा कार्यालय पहुंची, जहां इसका समापन किया गया। रैली के माध्यम से लोगों को हर घर तिरंगा अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया तथा राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर खण्ड शिक्षा अधिकारी मुंशी लाल पटेल सहित बेसिक शिक्षा विभाग के संबंधित अधिकारी, कर्मचारी एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

एक लाख रुपये की रंगदारी मांगने के मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

जुनावई/संभल(सब का सपना):- जनपद के जुनावई थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति को घेरकर एक लाख रुपये की मांग करने और रुपये न देने पर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने गुरुवार को एक और वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार 3 मई को रामपाल पुत्र भूदेव निवासी दबथरा हिमांचल, थाना जुनावई ने थाना पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि वह जुनावई से गुन्नौर की ओर जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में अंकित उर्फ जितेंद्र पुत्र जयवीर सिंह उर्फ राकेश, अवधेश उर्फ उपदेश पुत्र

मुकेश तथा 10-15 अन्य लोगों ने, जिनके चेहरे ढके हुए थे, उसे घेर लिया। आरोपियों ने उससे एक लाख रुपये की मांग की और रुपये न देने पर जान से मारने की धमकी दी। तहरीर के आधार पर थाना जुनावई में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी। गुरुवार को थाना जुनावई पुलिस टीम ने मुकदमे में वांछित अभियुक्त लालू उर्फ कमलेश पुत्र राजपाल, उम्र 22 वर्ष को लम्बरदार ढाबे के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक इस मामले में नामजद अंकित उर्फ जितेंद्र पुत्र जयवीर सिंह उर्फ राकेश तथा अवधेश उर्फ उपदेश पुत्र मुकेश को पूर्व में ही गिरफ्तार किया जा चुका है। दोनों आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में रिमांड स्वीकृत कराकर जिला कारागार भेजा जा चुका है।

पुलिस द्वारा मामले में आगे की आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

अवैध शस्त्र बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़, 42 अधबने तमंचों समेत आरोपी गिरफ्तार

असमोली/संभल(सब का सपना):- अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान के तहत थाना असमोली पुलिस ने बुधवार को अवैध शस्त्र फैक्ट्री का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मौके से बड़ी संख्या में अधबने तमंचे और शस्त्र बनाने के उपकरण बरामद किए हैं। कार्रवाई के दौरान एक अन्य आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। पुलिस अधीक्षक जनपद संभल कृष्ण कुमार तथा अपर पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह के कुशल निर्देशन और क्षेत्राधिकारी असमोली अमन सिंह एवं प्रभारी निरीक्षक सुधीर पंवार के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान इकरार पुत्र अख्तर के रूप में हुई है। उसके कब्जे से 315 बोर के दो तमंचे, 12 बोर का एक तमंचा, 42 अधबने तमंचे तथा भारी मात्रा में अवैध शस्त्र बनाने के उपकरण बरामद किए गए। पुलिस के मुताबिक मौके पर मौजूद दूसरा अभियुक्त ताहिर पुत्र साबिर अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहा। पुलिस टीम ने उसका पीछा किया, लेकिन वह पकड़ में नहीं आ सका। फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस द्वारा प्रयास किए जा रहे हैं। बरामदगी के आधार पर थाना असमोली में आयुध अधिनियम के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई एवं फरार आरोपी की तलाश में जुटी है।

सर्पदंश के खौफ के बीच स्नेक सेवर जाबुल बने उम्मीद की किरण

तीन हजार से अधिक सांपों का रेस्क्यू, कोबरा के डसने के बाद भी नहीं टूटा हौसला

बहजोई/संभल(सब का सपना):- बारिश का मौसम ग्रामीण इलाकों में हरियाली के साथ सर्पदंश का खतरा भी बढ़ा देता है। इसी बीच संभल के क्षेत्रीय स्नेक सेवर जियाउल हक उर्फ जाबुल अपनी व्यक्तिगत क्षमता से जनसेवा की मिसाल पेश कर रहे हैं। वन विभाग को जब भी किसी स्थान पर सांप निकलने की सूचना मिलती है, जाबुल आधी रात को भी मौके पर पहुंचकर सांप का सुरक्षित रेस्क्यू करते हैं। मऊ भूर, पोस्ट चन्दनकटी गांव वबैना निवासी जाबुल करीब एक महीने पहले रेस्क्यू के दौरान एक खतरनाक कोबरा के डसने से गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उनकी हालत इतनी नाजुक हो गई थी कि उन्हें 25 एंटी-वेनम इंजेक्शन लगाने पड़े। जिंदगी और मौत से जूझने के बाद स्वस्थ हुए जाबुल का हौसला इसके बावजूद नहीं टूटा और वह लगातार सांपों के रेस्क्यू एवं जनजागरूकता अभियान में जुटे हैं। जाबुल के अनुसार उन्होंने अब तक बिना किसी प्रशासनिक या विभागीय फंड के तीन हजार से अधिक सांपों को सुरक्षित रेस्क्यू कर जीवनदान दिया है। इसके अलावा वह 55 से

डीएम संभल

अधिक स्कूलों में विद्यार्थियों और ग्रामीणों को सर्पदंश से बचाव तथा सांपों के प्रति जागरूकता की जानकारी दे चुके हैं। हाल ही में जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल ने उनसे मुलाकात कर उनके कार्यों की सराहना भी की। जाबुल के जमीनी अनुभवों को संज्ञान में लेते हुए जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल ने जनपदवासियों के लिए सर्पदंश से बचाव को लेकर विस्तृत एडवाइजरी जारी की है। इसमें बताया गया है कि बारिश के दौरान खेतों और सांपों के बिलों में पानी भर जाने पर सांप सूखी जगह तथा चूहों और मेंढकों की तलाश में कच्चे मकानों, छप्परों और लकड़ियों के ढेर में छिप सकते हैं। एडवाइजरी के अनुसार जिले में सांपों की करीब 14 से 15 प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें कोबरा, रसेल वाइपर और कॉमन करैत को प्रमुख जहरीली प्रजातियों में बताया गया है। कोबरा के जहर से तंत्रिका तंत्र प्रभावित हो सकता है, जबकि रसेल वाइपर के जहर से रक्त के थक्के बनने की प्रक्रिया प्रभावित होती है। कॉमन करैत को साइलेंट किलर भी कहा जाता है, क्योंकि यह अक्सर रात में बिस्तर में घुसकर काट सकता है और इसका दर्द मामूली लग सकता है। एडवाइजरी में ग्रामीणों को सर्पदंश के बाद झाड़-फूंक में समय बर्बाद न करने की सलाह दी गई है। सांप काटने पर पीड़ित को शांत रखें और घबराने न दें। घाव को पानी और एंटीसेप्टिक साबुन से साफ करने के बाद मरीज को जल्द से जल्द नजदीकी सरकारी अस्पताल पहुंचाएं। घाव को ब्लेड से काटने या कसकर रस्सी बांधने से बचने की सलाह दी गई है, क्योंकि इससे रक्त संचार प्रभावित होकर अंग को नुकसान पहुंच सकता है। सर्पदंश के उपचार के लिए अस्पताल में एंटी-वेनम उपलब्ध कराया जाता है। जिलाधिकारी की एडवाइजरी में यह भी कहा गया है कि विषहीन सांप के काटने की स्थिति में भी चिकित्सकीय जांच जरूरी है और आवश्यकता के अनुसार टिटनेस का टीका लगवाना चाहिए। वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में बिषखोपड़ा (गोह) और घर की छिपकली को लेकर फैले अंधविश्वास को दूर करते हुए लोगों से बिना वजह किसी जीव को न मारने की अपील की गई है।

माध्यमिक विद्यालयों में गूंजे देशभक्ति के नारे, छात्र-छात्राओं ने निकाली तिरंगा रैली

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के निदेर्शानुसार जनपद में हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत गुरुवार को माध्यमिक विद्यालयों में उत्साह और देशभक्ति के वातावरण में तिरंगा रैलियों का आयोजन किया गया। विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने हाथों में तिरंगा लेकर रैली में प्रतिभाग किया और देशभक्ति के नारों से लोगों में राष्ट्रप्रेम एवं राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान की भावना जागृत की। जनपद के राजकीय इंटर कॉलेज लहरावन, पंडित दीनदयाल उपाध्याय माध्यमिक इंटर कॉलेज राजपुर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय माध्यमिक इंटर कॉलेज नदरौली, हीरा देवी तोताराम कन्या इंटर कॉलेज बहजोई, चंद्रपाल आर्य इंटर कॉलेज बहजोई, इंटरमीडिएट कॉलेज बहजोई, राजकीय इंटर कॉलेज भिरावटी, राजकीय इंटर कॉलेज धीमरखेड़ी, राजकीय इंटर कॉलेज सारंगपुर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय इंटर कॉलेज खिरजपुर, राजकीय कन्या इंटर कॉलेज संभल, राजकीय कन्या इंटर कॉलेज सिरसी तथा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बेरनी सहित विभिन्न माध्यमिक विद्यालयों में तिरंगा रैलियां निकाली गईं। विद्यालयों में आयोजित रैलियों को संबंधित प्रधानाचार्यों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। छात्र-छात्राएं हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर उत्साहपूर्वक रैली में शामिल हुए। इस दौरान विद्यार्थियों ने देशभक्ति के नारे लगाते हुए आमजन को हर घर तिरंगा अभियान से जुड़ने तथा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रेरित किया। रैली के दौरान विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखने को मिला। विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी रैली में सहभागिता करते हुए विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। जिलाधिकारी के निदेर्शानुसार जनपद में हर घर तिरंगा अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन लगातार किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य नागरिकों में देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान की भावना को और अधिक मजबूत करना है।

पत्रकारिता की गरिमा पर उठ रहे सवाल, फर्जी पहचान वालों पर कार्रवाई की मांग

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- कभी पत्रकारिता को समाज का आईना और लोकतंत्र का मजबूत स्तंभ माना जाता था।पत्रकारों के प्रति प्रशासन और आमजन में सम्मान का भाव रहता था, लेकिन बदलते दौर में पत्रकारिता की आड़ में कुछ ऐसे लोग भी सक्रिय हो गए हैं, जिनकी वजह से पूरी पत्रकार बिरादरी की छवि प्रभावित हो रही है। नगीना में इन दिनों ऐसे कथित पत्रकारों की गतिविधियों को लेकर चर्चा है, जो बिना किसी संस्थान से अधिकृत हुए बाइक पर,प्रेस लिखकर और जेब में पेन लगाकर सरकारी कार्यालयों के आसपास घूमते नजर आते हैं। कई बार ऐसे लोगों को अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ चाय की चुस्कियां लेते हुए भी देखा जाता है। आरोप है कि कुछ लोग पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों और समाचार लेखन की जानकारी के बिना ही पत्रकार होने का परिचय देकर अपना प्रभाव बनाने का प्रयास करते हैं। वरिष्ठ और शिक्षित पत्रकारों का कहना है कि पत्रकारिता केवल प्रेस लिखे वाहन,पहचान पत्र या पेन रखने तक सीमित नहीं है। तथ्य जुटाना,उनकी पुष्टि करना,दोनों पक्षों को स्थान देना और निष्पक्षता के साथ समाचार लिखना पत्रकारो की मूल जिम्मेदारी है बनती है। लेकिन आज कल कुछ कथित पत्रकारों की गतिविधियों का खामियाजा ईमानदारी से काम करने वाले पत्रकारों को भी भुगतना पड़ता है और उनकी प्रतिष्ठा पर सवाल उठने लगते हैं। नागरिकों का कहना है कि प्रशासन को भी अधिकृत पत्रकारों और पत्रकारिता की आड़ में घूमने वाले लोगों के बीच अंतर स्पष्ट करना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति किसी समाचार संस्थान का प्रतिनिधि होने का दावा करता है तो उसके संस्थान,पहचान और अधिकृत होने की स्थिति की जांच की जानी चाहिए। साथ ही पत्रकारिता के नाम पर किसी प्रकार का अनुचित दबाव बनाने या निजी हित साधने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए। पत्रकारिता की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए जरूरी है कि पत्रकार संगठन,प्रशासन और समाज सभी मिलकर ऐसे तत्वों की पहचान करें,ताकि निष्पक्ष एवं जिम्मेदार पत्रकारिता करने वालों की गरिमा बनी रहे और आमजन का मीडिया पर विश्वास कायम रहे।

भारतीय किसान यूनियन ने निकाली तिरंगा यात्रा बड़ी संख्या में रहे किसानों के ट्रैक्टर

नूरपुर/बिजनौर (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन टिकैत की ट्रैक्टर तिरंगा यात्रा नूरपुर के पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष अमरपाल चौधरी के नेतृत्व में गुरुवार को प्रातः 10:00 बजे निकालीं गई । ट्रैक्टर तिरंगा यात्रा प्रारंभ करने से पूर्व पूर्व ब्लाक अध्यक्ष अमरपाल चौधरी ने परवीन सिंह शहीद स्मारक पर माला अर्पण कर तिरंगा यात्रा को आरंभ किया। तिरंगा यात्रा शहीद तिराहा नूरपुर स्थित सोनू-मोनू किराना स्टोर से प्रारंभ होकर रोडवेज , शिव मंदिर चौक बुध बाजार,बिजनौर चौराहा से मंडी समिति पर यात्रा का समापन किया गया। तिरंगा यात्रा के दौरान नगर के व्यापारियों ने जगह-जगह फूल मालाओं से किसानों का स्वागत किया और फूल बरसाए। पंचायत समापन होने के तत्पश्चात युवा किसान नेता अनिक चौधरी निखिल चौधरी के द्वारा मिष्ठान वितरित किया गया। प्रसाद ग्रहण करने के बाद सभी किसान अपने ट्रैक्टरों को लेकर अपने गंतव्य को रवाना हुए। पूर्व ब्लाक अध्यक्ष अमरपाल चौधरी ने नूरपुर ब्लॉक से आए सैकड़ो ट्रैक्टर के द्वारा किसानों को तिरंगा यात्रा को ऐतिहासिक बनाने के लिए दिल की गहराईयों से आभार प्रकट किया। साथ ही आगे के लिए किसानों से आग्रह किया कि आप भारतीय किसान यूनियन टिकैत को आप समय-समय पर और मजबूत करते रहेंगे। तिरंगा यात्रा में देशभक्ति और भारतीय किसान यूनियन के गानों पर किसानों ने झूम झूम कर नृत्य किया। यात्रा में भारत माता के जय कारे लगाए गए ।

तिरंगा यात्रा में प्रदेश संगठन मंत्री लक्ष्मी नारायण शर्मा, जिला संगठन मंत्री अशोक धनकड़, जिला सचिव दिनेश चौधरी, मोनू चौधरी अनिक चौधरी गौतम मालवा, मनीष धनकड़, प्रशांत चौधरी , इंतजार मलिक, रिषिपाल धनकड़, जगन्नदन धनकड़, रिजवान, योगेश मलिक, प्रशांत यादव, मनीष धनकड़ ,कर्मेंद्र प्रधान पप्पू मलिक, बसीम नोडी, राजेश सैनी, सुशील शर्मा, निपेंद्र चौधरी, राजपाल धनकड़ ,कपिल ,अमित, आलिम, मों. नासिर, योगेंद्र चौहान, राजीव चौहान आदि सैकड़ो किसान उपस्थित रहे।

मुठभेड़ में 4 चोर गिरफ्तार, 2 के पैर में लगी गोली, एक आरक्षी घायल

सोलर प्लेटें, नकदी, ट्रक और हथियार बरामद

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद बिजनौर की अफजलगढ़ पुलिस ने बुधवार रात करीब डेढ़ बजे मुठभेड़ के बाद चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान पुलिस की जवाबी फायरिंग में दो अभियुक्तों के पैर में गोली लगी, जबकि एक आरक्षी भी घायल हो गया। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की सोलर प्लेटें, नकदी और हथियार बरामद किए हैं। चारों आरोपी एक साथ चोरी की वारदतों को अंजाम देते थे। 3 और 6 अगस्त की रात को भी इन्होंने सोलर प्लेटें चुराई थी। पीड़ित ने इस मामले में थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की थी। पुलिस इन आरोपियों को तलाश कर रही थी। तीनों आरोपी हिस्ट्रीशीटर हैं। इन पर गैंगस्टर एक्ट, चोरी और लूट के मामलों में कुल 34 मुकदमे दर्ज हैं। अफजलगढ़ पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम मनियावाला स्थित एचसीएम इंटर कॉलेज के पास आम के बाग में एक ट्रक में चार व्यक्ति चोरी की सोलर प्लेटों के साथ मौजूद हैं और किसी अन्य घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। सूचना पर थाना अफजलगढ़ पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घेराबंदी की। पुलिस को देखकर आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। फायरिंग में आरक्षी गौरव कुमार घायल हो गए। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने आरोपियों पर गोली चलाई। गोली दो आरोपियों के पैर में लगी। घायल अवस्था में इन दोनों आरोपियों सहित अन्य दो को भी मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। घायल आरोपियों की पहचान बिजनौर के रेहड़ थाना क्षेत्र के विमल कुमार और नाजिम के रूप में हुई है। वहीं दोनों अन्य आरोपी दीपक और आशीष मोहल्ला शिव मंदिर के रहने वाले हैं। घायल आरोपियों और आरक्षी गौरव कुमार को उपचार के लिए सीएचसी अफजलगढ़ भेजा गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से नकद रूपए, दो तमंचे, चार जिंदा व दो खोखा कारतूस, पांच सोलर प्लेटें और घटना में प्रयुक्त ट्रक बरामद किया। आरोपियों ने बताया कि करीब पांच-छह दिन पहले चारों ने मिलकर ग्राम फजलाबाद परमानंदपुर उर्फ मनियावाला स्थित एक बंद मकान के ताले तोड़कर चोरी की थी। इस घटना में उन्हें 49,000 रुपए प्राप्त हुए थे, जिसे उन्होंने आपस में बराबर-बराबर बांट लिया था। अपने हिस्से की कुछ धनराशि उन्होंने खाने-पीने में खर्च कर दी थी, जबकि बचे हुए 30 हजार रुपए पुलिस ने कब्जे में ले लिए।

ग्राम मानियावाला निवासी रिशभ कुमार ने 4 अगस्त को तहरीर दी थी। उन्होंने बताया था कि 3 अगस्त की रात उनके खेत पर बने ट्यूबवेल की छत पर लगे सोलर पैनलों में से चार सोलर पैनल अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर लिए गए। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 305 (ए) के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया था। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने टीमें गठित कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी।

पूछताछ करने पर आरोपियों ने बताया कि वे चारों आपस में साथी हैं। उन्होंने 6-7 अगस्त की रात ग्राम मनियावाला फ्लाईओवर की दाहिनी ओर स्थित ट्यूबवेल से चार सोलर प्लेट चोरी की थीं।

चोरी की गई सोलर प्लेटों को ट्रक में रखकर ले गए थे। आरोपी इन प्लेटों को बेचने के लिए ट्रक सांख्या UK18CA7488 में लेकर जा रहे थे, तभी पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। आरोपी नाजिम के खिलाफ रेहड़ थाने में चोरी और गैंगस्टर एक्ट के 10 मुकदमे दर्ज हैं। वहीं विमल पर कुल 15 मुकदमे दर्ज हैं। आरोपी दीपक पर भी 9 मुकदमें दर्ज किए गए हैं। तीनों आरोपी अलग-अलग मामलों में वांछित थे। पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही थी। आरोपियों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक मृदुल कुमार, ,उप नि0 मनवीर सिंह , हेड कांस्टेबल विपिन कुमार, कांस्टेबल गौरव , राजीव कुमार आदि शामिल रहे।

प्रभारी मंत्री ने की जनपद के विकास कार्यों की समीक्षा

संभावित बाढ ग्रस्त क्षेत्रों में किट वितरण के दिए आदेश

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के प्रभारी मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने गुरुवार को कलेक्ट्रट स्थित महात्मा विदुर सभागार में जनपदीय विकास कार्यों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास व सबके प्रयास पर कार्य कर पात्रों को योजनाओं का लाभ उपलब्ध करा रही है। उन्होंने अधिकारियों से परस्पर समन्वय विभागीय समन्वय व कार्य योजना बनाकर लक्ष्यों को प्राप्त करने के निर्देश दिए। बैठक में बिना बताए उपस्थित रहे जिला विद्यालय निरीक्षक व अधिशासी अभियंता जल निगम ग्रामीण से स्पष्टीकरण तलब करने का निर्देश भी प्रभारी मंत्री द्वारा दिए गए। प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता विभाग उ0प्र0 व प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि वह अपनी-अपनी विभागीय योजनाओं का प्रचार-प्रसार कर पात्रों को योजनाओं का लाभ पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि माह में एक बार गौशालाओं का औचक निरीक्षण कराया जाए। उन्होंने जनपद के संभावित बाढ ग्रस्त क्षेत्रों में प्रशासनिक स्तर पर कराये जा रहे कार्यों की समीक्षा भी की। उप जिलाधिकारी चांदपुर ने बताया कि चार-पांच गांव प्रभावित हैं। प्रभारी मंत्री ने संभावित बाढ ग्रस्त क्षेत्रों में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में प्रभावित लोगों को राहत किट का वितरण कराने के निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री ने कहा कि जल निगम ग्रामीण अंतर्गत ग्रामों में कितनी पानी की टंकियां बनाई गई, कितनी पाइप लाइन बिछाई गई व पाइपलाइन बिछाने के उपरान्त सडकों की मरम्मत की गई, इसकी जांच करायी जाये। उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान को आमजन व सामाजिक संस्थाओं का सहयोग लेकर सफल बनाया जाए। उन्होंने विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के आयोजन की महत्वता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह इतिहास को स्मरण करने का अवसर है। एमएलसी अशोक कटारिया ने कहा कि किसानों व आमजन के हितार्थ अधिकारी कार्य करें। नहटौर विधायक ओम कुमार ने नहटौर नगीना मार्ग का निरीक्षण करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से कराए जाएं। इस पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि 18 उपकेंद्र बनाये जा चुके हैं तथा 18 के लिए भूमि का चिन्हांकन करवारकर उस पर भी निर्माण कराया जाएगा।

बैठक के दौरान प्रभारी मंत्री व अन्य जनप्रतिनिधियों में प्रधानमंत्री सूर्यघट्ट योजना, वृक्षारोपण अभियान, कृत्रिम गभार्धान, पशु टीकाकरण, एनआरएलएम, स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं, उद्योग विभाग, सहकारिता विभाग, सिंचाई विभाग व नमामि गंगे सहित अन्य संबंधित विभागीय अधिकारियों से उनके विभागीय कार्यों के क्रियान्वयन की प्रक्रिया को जाना व उनका मार्गदर्शन भी किया। बैठक के अंत में जिलाधिकारी जसजीत कौर ने जनप्रतिनिधियों का बैठक में आगमन पर आभार व्यक्त किया तथा अधिकारियों को निर्देशित किया कि वह जनप्रतिनिधियों द्वारा दिए गए निदेर्शों का सअक्षर अनुपालन समयबद्ध रूप से सुनिश्चित करायें। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष भाजपा भूपेन्द्र चौहान, नहटौर विधायक ओम कुमार, विधायक धामपुर अशोक राणा, एमएलसी अशोक कटारिया, जिला पंचायत अध्यक्ष साकेन्द्र प्रताप सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष, इन्दिरा सिंह सहित अन्य संबंधित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

वकील बनकर जमीन दिखाने के नाम पर महिला से 75 हजार की ठगी, पुलिस ने किया इनाम घोषित

फतेहपुर (सब का सपना):- जनपद में जमीन के नाम पर ठगी का एक और मामला सामने आया है। खखरेंरू थाना क्षेत्र में एक अज्ञात व्यक्ति ने खुद को अधिवक्ता बताकर एक महिला को विश्वास में लिया और रेलवे लाइन के पास जमीन दिलाने का झांसा देकर 75 हजार रुपये लेकर फरार हो गया। पुलिस के अनुसार थाना खखरेंरू में बी.एन.एस. के तहत केस दर्ज किया गया है। वादिनी ने तहरीर में बताया कि बिनोद कुमार त्रिपाठी नाम के एक व्यक्ति ने खुद को वकील बताकर उनसे संपर्क किया। आरोपी ने खागा क्षेत्र में नई मालगाड़ी रेलवे लाइन के पास रेलवे क्रॉसिंग के निकट जमीन दिखाकर उसे सस्ते में बेचने का प्रलोभन दिया। इसी बहाने आरोपी ने महिला से 75,000 रुपये नगद ले लिए। रकम लेते ही वह मौके से फरार हो गया। पुलिस की कार्रवाई और इनाम की घोषणा मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक ने तत्काल संज्ञान लिया है। अज्ञात अभियुक्त की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों को निर्देश दिए गए हैं। साथ ही तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की जा रही है।एसपी ने घोषणा की है कि आरोपी की पहचान कराने या गिरफ्तारी में मददगार सूचना देने वाले व्यक्ति को उचित पुरस्कार दिया जाएगा। सूचना देने वाले का नाम पता पूरी तरह गोपनीय रखा जाएगा। पुलिस ने जनपदवासियों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या जानकारी मिलने पर नजदीकी थाना या उपरोक्त नंबरों पर तुरंत सूचना दें। फिलहाल पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है और जल्द गिरफ्तारी का दावा कर रही है।

अमरोहा जिला अस्पताल में हार्ट अटैक मरीज को निशुल्क इलाज

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के जिला अस्पताल में हार्ट अटैक जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित मरीजों को बेहतर उपचार देने के लिए सरकार पूरी तरह कटिबद्ध है। इस दिशा में एक और उदाहरण सामने आया है। कल दोपहर लगभग एक बजे अमरोहा शहर के मोहल्ला बड़ा दरबार की निवासी अमीर जहां, जिनके पति मुकर्रम हैं। जिन्होंने सीने में तेज दर्द की शिकायत लेकर जिला अस्पताल पहुंचीं। इमरजेंसी इंचार्ज डॉक्टर मोहम्मद इकबाल ने उनकी जांच की। जांच में पुष्टि हुई कि महिला को दिल का दौरा पड़ा है। तुरंत सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए महंगे इंजेक्शन टेनेक्टप्लेस जिसकी कीमत लगभग 30 से 35 हजार रुपये है महिला को निशुल्क लगाकर मरीज का इलाज शुरू किया गया। यह इंजेक्शन दिल के दौरे के मरीजों के लिए जीवनरक्षक माना जाता है। जिला अस्पताल प्रशासन ने जनता को संदेश दिया है

कि यदि किसी को भी छाती में दर्द महसूस हो तो तुरंत डॉक्टर की सलाह लें और जिला अस्पताल अमरोहा पहुंचें। समय पर इलाज से जान बचाई जा सकती है। इस मौके पर इमरजेंसी विभाग में चिकित्सक और स्टाफ मौजूद रहे। सरकार की इस पहल से गरीब मरीजों को महंगे इलाज का बोझ नहीं उठाना पड़ रहा है। जिला अस्पताल में ऐसी सुविधाओं से आम नागरिक लाभान्वित हो रहे हैं।

औद्योगिक क्षेत्र की खामियों पर प्रधान महाप्रबंधक ने लगाई अफसरों को फटकार, जल्द सुधार के निर्देश

फतेहपुर (सब का सपना):- यूपी इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष सत्येंद्र सिंह, प्रदेश महासचिव अमित गुप्ता एवं प्रदेश उपाध्यक्ष भामाशाह एडवोकेट डॉ. वीरेंद्र सिंह एवं उनकी टीम की पहल के बाद यूपीसीडा के नवागंतुक मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री डॉक्टर बलकार सिंह साहब के कुशल नेतृत्व में गुरुवार को प्रधान महाप्रबंधक राजीव कुमार त्यागी ने जिले के औद्योगिक क्षेत्र मलवा का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने औद्योगिक क्षेत्र में व्याप्त समस्याओं और अधूरे विकास कार्यों का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान ड्रेन, सड़क, सीवर व्यवस्था, शौचालय, स्ट्रीट लाइट, ट्रक ले बाई सहित अन्य व्यवस्थाओं में मिली खामियों को लेकर प्रधान महाप्रबंधक ने संबंधित कार्यदायी संस्था और अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। अधूरे कार्यों को जल्द पूरा कराने के निर्देश देते हुए उन्होंने कार्य में लापरवाही पर नाराजगी जताई और जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी। बताया गया कि बीते दिनों यूपी इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष सत्येंद्र सिंह ने नवागंतुक मुख्य कार्यपालक अधिकारी से मुलाकात कर औद्योगिक क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराया था। उद्यमी हित में मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप सभी कार्यों को प्राथमिकता से पूरा कराने की मांग की गई थी।इसी क्रम में मुख्य कार्यपालिका अधिकारी के निर्देशन पर गुरुवार को प्रधान महाप्रबंधक ने मौके पर पहुंचकर व्यवस्थाओं की हकीकत देखी वहीं जलभराव से निजात दिलाने पर भी जोर दिया गया। औद्योगिक क्षेत्र के आसपास जलभराव की समस्या को लेकर भी अधिकारियों को प्रभावी समाधान के निर्देश दिए गए जिला प्रशासन और किसानों से समन्वय स्थापित कर ड्रेन की व्यवस्था को बेहतर बनाने तथा औद्योगिक क्षेत्र के आसपास बाउंड्रीवाल समेत अन्य जरूरी कार्य कराने पर जोर दिया गया। निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय प्रबंधक समेत (upsida) सिविल वारिस प्रबंधक आशीष तोमर इलेक्ट्रिकल वरिष्ठ प्रबंधक निजामुद्दीन एवं कई अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि औद्योगिक क्षेत्र में उद्यमियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विकास कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए।

गजरौला में साइबर अपराध रोकने को किया जागरूक

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जुबिलेंट भरतिया फाउंडेशन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ रही साइबर क्राइम की घटनाओं के प्रति लोगों को पोस्टर, स्लोगन, नुक्कड़ नाटक के जरिए जागरूक किया गया। यह कार्यक्रम 10 अगस्त को आयोजित किया गया था।

बता दें कि बृहस्पतिवार को जेबीएफ के कार्यक्रम अधिकारी विशाल गौरव ने बताया कि जेबीएफ के तत्वावधान में ब्लाक के गांव शहबाजपुर डोर में जेबीएफ मे प्रशिक्षण केंद्र से गई टीम ने लोगों को बताया कि साइबर अपराधों से कैसे बचा जाए। टीम में शामिल गीता सिंह, पूजा सागर एवं रजत वर्मा ने ग्रामीणों को समझाया कि संचार क्रांति के डिजिटल दौर में हर कोई मोबाइल के प्रति आकर्षित हो रहा है। बच्चों से लेकर बड़े और अशिक्षित वर्ग भी मोबाइल का इस्तेमाल कर रहा है। यही वजह है कि आजकल साइबर क्राइम के ग्राफ में काफी बढ़ोत्तरी हुई है। टीम ने समझाया कि साइबर ठग खासतौर से बच्चों और महिलाओं को अपना शिकार बनाते हैं। इसलिए किसी भी अनजान नंबर से आई कॉल पर अपना ओटीपी नंबर न बताएं। मोबाइल पर आने वाले भ्रामक विज्ञापनों को गंभीरता से न लें। इतना ही नहीं मोबाइल पर आने वाले प्रत्येक लिंक को खोलने से बचें। पहले उसकी विश्वसनीयता की जांच कर लें। यदि कोई परेशानी आती है अथवा संदेह हो तो हेल्प लाइन नंबर 1930 पर कॉल करें।

15 अगस्त को सभी ग्राम पंचायतों में फहरेगा तिरंगा

अमरोहा (सब का सपना):- स्वतंत्रता दिवस की तैयारियां जिले में जोरों पर चल रही हैं। 15 अगस्त को जिले की सभी ग्राम पंचायतों में तिरंगा फहराया जाएगा। इस अवसर पर रैलियां और तिरंगा यात्राएं भी निकाली जा रही हैं, ताकि देशभक्ति की भावना को और मजबूत किया जा सके। जिला पंचायत राज अधिकारी नितिन कुमार ने सभी ग्राम पंचायत सचिवों को विशेष निर्देश दिए हैं कि हर घर तिरंगा अभियान के तहत प्रत्येक घर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाए। साथ ही ग्राम पंचायत सचिवालय में भी तिरंगा फहराने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। अधिकारी ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रगान के साथ ध्वजारोहण का कार्यक्रम गरिमापूर्ण तरीके से संपन्न हो। कई ग्राम पंचायतों में महापुरुषों की मूर्तियों को विशेष रूप से सजाया गया है। गांधी जी, सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह सहित अन्य स्वतंत्रता सेनानियों की प्रतिमाओं पर फूल-मालाएं चढ़ाई जा रही हैं और उन्हें आकर्षक रूप से सजाया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी उत्साह देखने को मिल रहा है। लोग अपने घरों, दुकानों और कार्यालयों पर तिरंगा लगाने की तैयारी कर रहे हैं। जिला प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। सभी कार्यक्रम शांतिपूर्ण और अनुशासित तरीके से आयोजित हों, इस पर जोर दिया गया है। अधिकारीगण गांव-गांव जाकर तैयारियों का जायजा ले रहे हैं। 15 अगस्त को सुबह जिला मुख्यालय सहित विभिन्न स्थानों पर मुख्य समारोह होंगे, जिनमें अधिकारी, जनप्रतिनिधि और आम नागरिक शामिल होंगे। हर घर तिरंगा अभियान के तहत प्रशासन का लक्ष्य है कि जिले का कोई भी घर तिरंगे से अछूता न रहे। इससे देशभक्ति का संदेश दूर-दूर तक पहुंचेगा। तैयारियां अंतिम चरण में हैं और पूरा जिला स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए उत्साहित है।

ई-रिक्शा पलटने से अधेड़ की मौत

परवल लेकर खागा मंडी जा रहे अधेड़ की ई-रिक्शा पलटने से मौत

असोथर/फतेहपुर (सब का सपना):- देर रात करीब 10 बजे के बाद सुजानपुर रजबहा के पास ई-रिक्शा पलटने से 52 वर्षीय छत्रपाल निषाद की मौत हो गई। हादसे में सिर में गंभीर चोट लगने पर परिजन उन्हें गाजीपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां से हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल फतेहपुर रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। नगर पंचायत असोथर के वार्ड नंबर छह बाबातारा निवासी छत्रपाल निषाद (52) पुत्र स्व. मोतीलाल बुधवार देर रात लक्ष्मणपुर सरकंडी स्थित यमुना नदी किनारे खेतों से परवल लेकर ई-रिक्शा से खागा मंडी जा रहे थे। उनके साथ उनके साले दिलीप निषाद निवासी

ढरहरी और भतीजा मनोज निषाद भी थे। बताया गया कि नगर पंचायत असोथर स्थित सुजानपुर रजबहा के पास कल्लू तिवारी की बिल्डिंग दुकान के समीप ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में छत्रपाल के सिर में गंभीर चोट आई। सूचना पर पुलिस और परिजन मौके पर पहुंचे। परिजन घायल छत्रपाल को एंबुलेंस से गाजीपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने हालत नाजुक देखते हुए जिला अस्पताल सदर रेफर कर दिया। जिला अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

छह भाइयों में सबसे बड़े थे छत्रपाल

छत्रपाल निषाद छह भाइयों में सबसे बड़े थे। उनके बाद क्रमशः जयपाल, पुतानी, ननकू, दुर्गा और शंकर हैं। बड़े भाई होने के कारण परिवार में

मृतक छत्रपाल निषाद की फाइल फोटो

उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी। उनकी अचानक मौत से भाइयों और अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

फोटो हाथ में लेकर बिलखती रही 85 वर्षीय मां

छत्रपाल की मौत की खबर मिलते ही घर में कोहराम मच गया। 85 वर्षीय मां सुखरनिया बेटे की फोटो हाथ में लेकर फूट-फूटकर रोती रहीं। वह बार-बार बेटे की तस्वीर को निहारते हुए कहती रहीं, मुझे छोड़कर क्यों चला गया मां के करुण विलाप से वहां मौजूद लोगों की आंखें भी नम हो गईं। छत्रपाल अपने पीछे मां सुखरनिया, पत्नी रामकली (50), इकलौते बेटे राम खेलावन (35), बहू ममता देवी (32), नाती सिद्धू (10) और नातिन संध्या देवी (5) को छोड़ गए हैं।

मछली पकड़ने, खेती और मजदूरी से चलता था परिवार

परिजनों के अनुसार छत्रपाल नदी और तालाबों में मछली पकड़कर उसकी बिक्री करने के साथ खेती-किसानी और मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। परिवार की आजीविका मुख्य रूप से इन्हीं कामों पर निर्भर थी। उनका इकलौता बेटा राम खेलावन महाराष्ट्र के नासिक में मजदूरी करता है। पिता की मौत की सूचना मिलते ही वह घर के लिए रवाना हो गया। राम खेलावन ने बताया कि वह गुरुवार देर रात तक प्रयागराज स्टेशन पहुंच जाएगा। परिजनों के अनुसार शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे यमुना नदी किनारे स्थित शमशान घाट पर छत्रपाल का अंतिम संस्कार किया जाएगा। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है और मां समेत पत्नी व अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

कोंडली में दो नए स्लिप रोड पुल जनता को समर्पित, जाम से मिलेगी राहत

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के कोंडली क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में दिल्ली सरकार ने एक महत्वपूर्ण परियोजना पूरी की है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को गाजीपुर ड्रेन और हिंडन नहर पर नवनिर्मित दो-लेन के स्लिप रोड पुलों का लोकार्पण किया। इन पुलों के शुरू होने से कोंडली, कल्याणपुरी, गाजीपुर और आसपास के इलाकों में रहने वाले लाखों लोगों को आवागमन का बेहतर विकल्प मिलने की उम्मीद है। लोकार्पण कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री एवं पूर्वी दिल्ली के सांसद हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली सरकार के पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, पटपड़गंज विधायक रविंद्र सिंह नेगी, त्रिलोकपुरी विधायक रवि कांत समेत अन्य जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार का जोर ऐसी आधारभूत परियोजनाओं पर है, जिनका सीधा लाभ आम लोगों को मिले। उन्होंने कहा कि सड़क नेटवर्क को मजबूत करने, यातायात का दबाव कम करने और राजधानी के विभिन्न हिस्सों के बीच बेहतर कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने पर सरकार लगातार काम कर रही है। मुख्यमंत्री के मुताबिक, कोंडली की यह परियोजना लंबे समय से लंबित थी। नई सरकार के गठन के बाद आवश्यक एनओसी और मंजूरियां पूरी कर दोबारा फंड जारी किया गया, जिसके बाद परियोजना को पूरा कर जनता को समर्पित किया गया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के पुराने ड्रेनेज नेटवर्क को मजबूत करना भी सरकार की प्राथमिकता है, ताकि जलभराव जैसी समस्याओं का स्थायी समाधान किया जा सके। केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि इन पुलों के निर्माण से त्रिलोकपुरी, कोंडली और पटपड़गंज क्षेत्र के लोगों को बेहतर सड़क संपर्क मिलेगा। उन्होंने कहा कि परियोजना से दैनिक यात्रियों की आवाजाही आसान होगी और क्षेत्र की कनेक्टिविटी मजबूत होगी। पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि नए स्लिप रोड पुल मौजूदा कोंडली ब्रिज पर यातायात के दबाव को कम करने में मदद करेंगे। इससे कोंडली, कल्याणपुरी, गाजीपुर और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध होगा और यात्रा में समय की बचत होगी। मुख्य चौराहे पर घटेगा ट्रैफिक दबाव परियोजना के तहत गाजीपुर ड्रेन और हिंडन नहर के ऊपर दो-दो लेन वाले स्लिप रोड पुल बनाए गए हैं। पहले कल्याणपुरी, गाजीपुर और नोएडा की ओर से आने-जाने वाले वाहनों के एक ही स्थान पर मिलने से पीक आवर्स में जाम की स्थिति बनती थी। नए पुलों के चालू होने से वाहनों का आवागमन अलग-अलग मार्गों से होने के कारण मुख्य चौराहे पर दबाव कम होने की उम्मीद है। नए स्लिप रोड चंद सिनेमा रोड, गाजीपुर रोड और कोंडली ब्रिज के बीच कनेक्टिविटी को बेहतर करेंगे। इससे कोंडली, कल्याणपुरी, गाजीपुर और गाजीपुर डेयरी फार्म रोड के आसपास रहने वाले लोगों को वैकल्पिक मार्ग मिलेगा। पुलों की नींव 1200 मिमी व्यास के आरसीसी कास्ट-इन-सीटू पाइल्स से तैयार की गई है। नालों के ऊपर स्टील प्लेट गर्डर्स लगाए गए हैं और पैदल यात्रियों के लिए फुटपाथ भी बनाए गए हैं। इससे क्षेत्र में वाहनों के साथ-साथ पैदल आवागमन को भी सुरक्षित और सुगम बनाने में मदद मिलेगी।

दिल्ली में अपराध का नया तरीका, बाइक से टक्कर मारकर गिराया; फिर पीटकर जेब से उड़ाए कैश और आधार कार्ड'

पश्चिमी दिल्ली। ख्याला थाना क्षेत्र में युवक को पीछे से मोटरसाइकिल से टक्कर मारकर गिराने और मारपीट के बाद नकदी व आधार कार्ड लूटने के मामले में रघुबीर नगर पुलिस चौकी के स्टाफ ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान रघुबीर नगर निवासी गगन (28) और आर्यन (26) के रूप में हुई है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल पल्सर मोटरसाइकिल, पीड़ित का आधार कार्ड और 200 रुपये बरामद किए हैं। पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी. स्वामी के अनुसार, सात अगस्त की रात करीब 9:40 बजे रोहित कुमार (25) जगन बर्तन भंडार के पास ई-रिक्शा का इंतजार कर रहा था। इसी दौरान दो युवक उसका पीछा करते हुए पहुंचे। लूटे पैसे और आधार कार्ड मोटरसाइकिल सवार आरोपित ने पीछे से टक्कर मारकर उसे सड़क पर गिरा दिया। इसके बाद दोनों ने उसके साथ मारपीट की और शर्ट की जेब से एक हजार रुपये व आधार कार्ड लूटकर फरार हो गए। ख्याला थाने में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस टीम ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और तकनीकी निगरानी के माध्यम से दोनों की पहचान की। इसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक, गगन बेरोजगार है और ख्याला थाने का बीसी है। उसके खिलाफ 20 से अधिक मामले दर्ज हैं। वहीं आर्यन स्विगी में डिलीवरी का काम करता ह

मुफ्त डायबिटीज जांच और डाइट काउंसलिंग कैंप में 60 लोगों ने उठाया लाभ

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली में मधुमेह के प्रति लोगों को जागरूक क़रने और इसके बेहतर प्रबंधन के उद्देश्य से डायबिटीज फाउंडेशन इंडिया की ओर से मुफ्त स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 60 लोगों की डायबिटीज जांच के साथ विशेषज्ञों ने खान-पान और जीवनशैली को लेकर डाइट काउंसलिंग दी। डॉ. अनूप मिश्रा की टीम ने मरीजों को नियमित जांच, संतुलित आहार, दवाओं के नियमित सेवन और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व की जानकारी दी। शिविर में पहुंचे 60 मरीजों में 40 पहले से उपचार या परामर्श ले रहे थे, जबकि 20 नए मरीजों ने पहली बार जांच और विशेषज्ञ परामर्श लिया। नए मरीजों को नियमित स्वास्थ्य जांच कराने की सलाह दी गई। वहीं फॉलो-अप मरीजों को उनकी स्थिति के अनुसार डायबिटीज मैनेजमेंट और आहार संबंधी मार्गदर्शन दिया गया।

करीब 200 पुलिसकर्मियों ने लिया हिस्सा, वाटर कैनन और वज्र वाहन समेत एंटी-रायट उपकरणों का किया अभ्यास

दंगों और उपद्रव से निपटने को नॉर्थ-ईस्ट पुलिस का मॉक ड्रिल

एजेंसी

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस से पहले सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को लेकर दिल्ली पुलिस ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में नॉर्थ-ईस्ट जिला पुलिस ने प्रदर्शन आंदोलन और दंगा जैसी स्थिति से निपटने के लिए व्यापक क्राउड कंट्रोल मॉक ड्रिल आयोजित की गई।डीसीपी नॉर्थ-ईस्ट राहुल अलवल और एडिशनल डीसीपी संदीप लांबा की निगरानी में हुए इस अभ्यास में जिले के सभी थाना प्रभारी, वरिष्ठ अधिकारी और करीब 200 पुलिसकर्मियों ने हिस्सा लिया। मॉक ड्रिल के दौरान पुलिसकर्मियों को उग्र भीड़ को नियंत्रित करने और जरूरत पड़ने पर

सुरक्षित एवं प्रभावी तरीके से तितर-बितर करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान वाटर कैनन, वज्र वाहन, टियर स्मोक गन और अन्य एंटी-रायट उपकरणों के इस्तेमाल का अभ्यास कराया गया। अभ्यास में पुलिस टीमों के बीच बेहतर समन्वय, त्वरित प्रतिक्रिया, टीम फॉर्मेशन, रणनीतिक पोजिशनिंग और भीड़ नियंत्रण की विभिन्न तकनीकों पर विशेष जोर दिया गया।पुलिसकर्मियों ने बड़े जमावड़े, हिंसक प्रदर्शन, आंदोलन और संभावित कानून-व्यवस्था की चुनौती से निपटने की स्थिति का व्यावहारिक अभ्यास किया। डीसीपी राहुल अलवल ने पुलिसकर्मियों को अनुशासन, आपसी समन्वय और त्वरित कार्रवाई के साथ स्थिति के अनुरूप संतुलित एवं अनुपातिक बल प्रयोग पर जोर दिया। मॉक ड्रिल से पुलिसकर्मियों को वास्तविक परिस्थितियों में बेहतर तालमेल के साथ कार्रवाई करने का अनुभव मिला। पुलिस का कहना है कि लगातार प्रशिक्षण और मॉक ड्रिल के जरिए पुलिसकर्मियों की परिचालन क्षमता को मजबूत किया जा रहा है, ताकि किसी भी प्रदर्शन, भीड़ या कानून-व्यवस्था की चुनौती के दौरान नागरिकों की सुरक्षा के साथ शांति और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखी जा सके।

रंगदारी के लिए फायरिंग से पहले गैंगलैंड गैंग के तीन शूटर गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की साउथ-वेस्टर्न रेंज (एसडब्लूआर) टीम ने मथुरा आधारित नवगठित गैंगलैंड गैंग के तीन शूटरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी रोहित गोदारा गैंग के समर्थक हैं और दिल्ली-एनसीआर में रंगदारी के लिए फायरिंग कर दहशत फैलाने की तैयारी में थे। वारदात को अंजाम देने से पहले ही पुलिस ने उन्हें दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गैंग सरगना कान्हा सिंह जादौन उर्फ कान्हा ठाकुर (26), सूरज (24) और वल्लभा चर्या (30) के रूप में हुई है। स्पेशल सेल डीसीपी नारा चैतन्य ने बताया कि एसीपी पूरन चंद्र पंत की निगरानी में इंस्पेक्टर मनेन्द्र

सिंह के नेतृत्व में टिम ने द्वारका इलाके में जाल बिछाया और देर रात तीनों आरोपियों को स्कॉर्पियो कार में पकड़ा। उनके कब्जे से 30 बोर की एक ऑटोमैटिक पिस्टल, दो सिंगल शॉट पिस्टल और कुल 11 जिंदा कारतूस बरामद हुए। पुलिस के मुताबिक कान्हा ठाकुर ने मथुरा निवासी भूसन के साथ मिलकर गैंगलैंड गैंग बनाया था। आरोपी सोशल मीडिया पर अपनी आपराधिक गतिविधियों का प्रदर्शन करते थे और बाद में रोहित गोदारा गैंग को फॉलो करने लगे। कान्हा के खिलाफ जयपुर में हत्या और आर्म्स एक्ट समेत तीन मामले दर्ज हैं, जबकि सूरज पर भरतपुर में हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट के मामले हैं। इस कार्रवाई से दिल्ली-एनसीआर में रंगदारी के लिए होने वाली कई संभावित फायरिंग की वारदातें टल गईं। इस मामले में थाना स्पेशल सेल में एफआईआर संख्या 178/2026 के तहत मामला दर्ज कर जांच जारी है।

11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर सड़क पर गिरने से 53 वर्षीय परवेज की मौत

शहर के सबसे व्यस्त चौराहे पर हादसा, बचाने दौड़े आम लोग, विभाग का नहीं उठा फोन

फतेहपुर (सब का सपना):- सदर कोतवाली क्षेत्र में बुधवार शाम करीब 6:30 बजे 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर सड़क पर गिरने से 53 वर्षीय ठेलिया व्यापारी परवेज पुत्र अब्दुल सत्तार की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा अटल बिहारी चौराहे के पास हुआ, जो शहर के सबसे व्यस्त चौराहों में से एक है। उस समय सड़क किनारे दुकानें लगी थीं और बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। एक तरफ सड़क पर टूटा पड़ा 11 हजार वोल्ट का तार जान ले रहा था, तो दूसरी तरफ इस हादसे ने बिजली विभाग की कार्यप्रणाली और सार्वजनिक सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार अचानक तार टूटकर नीचे गिरा और परवेज उसकी चपेट में आ गया। मौके पर अफरा-तफरी मच गई। इसी बीच अली हुसैन और गौरव श्रीवास्तव ने अपनी जान जोखिम में डालकर लकड़ी-डंडों से तार को हटाने का प्रयास किया। परवेज को सड़क किनारे लिटाकर उढफदी गई और जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद गौरव श्रीवास्तव का दावा है कि उन्होंने बिजली आपूर्ति बंद कराने के लिए विभाग को फोन किया, लेकिन फोन नहीं उठा। इसके बाद वह स्वयं बिजली कार्यालय पहुंचे। गौरव के

अनुसार दोबारा संपर्क करने पर फोन स्विच ऑफ मिला। अब ये सवाल कि क्या बिजली विभाग के पास आपात स्थिति के लिए 24 घंटे सक्रिय संपर्क व्यवस्था नहीं है? 11 हजार वोल्ट की लाइन टूटने पर बिजली तत्काल बंद कराने की क्या व्यवस्था है? फोन नहीं उठा तो उस समय ड्यूटी पर जिम्मेदार अधिकारी कौन था? सूचना मिलने के कितनी देर बाद फीडर बंद किया गया? परवेज पान मसाला, तंबाकू और फल बेचकर परिवार चलाते थे। स्थानीय लोगों के अनुसार वह 5 भाइयों में सबसे बड़े थे। करीब 2 साल पहले एक भाई और 4 साल पहले मां का निधन हो चुका है। उन्होंने अपनी कमाई से बहन की शादी भी कराई थी। खुद शादी नहीं की और परिवार की जिम्मेदारी निभाते रहे। घटना के बाद सभासद विकास गुप्ता ने बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए निष्पक्ष जांच और जिम्मेदारी तय करने की मांग की। स्थानीय लोगों ने पूछा कि क्या लाइन की नियमित जांच हुई थी? कोई शिकायत मिली थी? अगर हां तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई? बिजली का तार टूटना तकनीकी खराबी हो सकती है। लेकिन यदि जांच में लापरवाही, सुरक्षा मानकों की अनदेखी या आपातकालीन प्रतिक्रिया में देरी सामने आती है

तो यह सिर्फ हादसा नहीं, व्यवस्था की विफलता होगी। नागरिकों की मांग है कि कॉल रिकॉर्ड, फीडर लॉग और शटडाउन रिपोर्ट के आधार पर जांच हो और दोषियों पर कार्रवाई की जाए।क्योंकि परवेज अब सवाल नहीं पूछ सकता। लेकिन उसकी मौत से उठे सवालों का जवाब बिजली विभाग और प्रशासन को देना होगा।

होंठों को चाहिए सही देखभाल

होंठों की त्वचा चेहरे के अन्य हिस्सों की अपेक्षा काफी संवेदनशील होती है इसलिए फेशियल स्क्रब करना कभी-कभी समस्याजनक हो जाता है। होंठों की मृत त्वचा को हटाने के लिए हफ्ते में एक बार कॉटन बॉल को गुनगुने पानी में भिगोकर होंठों पर कुछ देर रखें, जिससे होंठों की पपडी मुलायम हो जाए। उसके बाद किसी मुलायम और सूखे टूथब्रश को हलके हाथों से होंठों पर रगडें ताकि मृत त्वचा आसानी से निकल जाए। इसके अलावा रात में सोने से पहले होंठों पर पेट्रोलियम जेली लगाकर कुछ देर हलका मसाज करें। फिर उसे ऐसे ही छोड दें। दूसरे दिन सुबह चेहरा ठंडे पानी से साफ करके गुलाब की तीन-चार ताजा पंखुडियों को हथेलियों पर रगडकर उसके रस को होंठों पर लगाएं। सूखने पर साफ पानी से धो लें।

आवश्यक है अतिरिक्त देखभाल

सर्दियों में होंठों को विशेष देखभाल की जरूरत होती है। सौंदर्य विशेषज्ञा मीनाक्षी दत्ता बताती हैं कि शुष्क और सर्द हवाओं के कारण रूखेपन का सामना सिर्फ आपके होंठों को ही नहीं करना पडता, बल्कि रैंप पर कैटवॉक करती खूबसूरत मॉडल्स भी इस समस्या का सामना करती हैं। इसीलिए मेकअप आर्टिस्ट मॉडल्स के रूखे होंठों का उपचार कुछ इस तरह करते हैं - एक टूथब्रश पर थोडा-सा लिप क्रीम लगाकर होंठों पर हलके हाथों से मलते हैं। उसके बाद होंठों पर एलिजाबेथ अर्डन की ऐट ऑवर क्रीम लगाकर जज्ब होने के लिए 15 मिनट के लिए छोड देते हैं। उसके बाद मेकअप करते हैं।

नमी बनाए रखें

लिपस्टिक लगाने से पहले होंठों पर खूब सारा लिप बाम लगाएं, फिर अतिरिक्त बाम को पोंछकर या सुखाकर लिपस्टिक लगाएं। फ्लेवर्ड लिप बाम से बचें। जो बाम आपको सूट करता हो या आप जिसे ज्यादातर इस्तेमाल करती हों, उसका ही प्रयोग करें। फटे होंठों के लिए कोई एंटी बैक्टीरियल ऑइंटमेंट इस्तेमाल करें, ताकि संक्रमण न होने पाए। इसके अलावा पके पपीते को मैश करके एक चम्मच रस निकालकर होंठों पर रुई की सहायता से लगाएं। 10-15 मिनट बाद होंठों को साफ पानी से धोकर लिप बाम लगा लें। पपीते में एक्सफोलिएट तत्व होते हैं, जो होंठों की मृत त्वचा को हटाकर उन्हें नर्म, मुलायम और चिकना बनाते हैं।

नर्म होंठों के लिए

फटे होंठों को छिपाने के लिए लिपस्टिक का सहारा न लें, बल्कि उनका उपचार करें। इसके लिए शहद, नीबू का रस, ऑलिव ऑयल और ग्लिसरीन को बराबर-बराबर मात्रा में मिलाकर फटे होंठों पर लगाएं। या फिर एक स्ट्रॉबेरी को मैश करके उसमें एक चम्मच मिल्क क्रीम और शहद मिलाकर होंठों पर 10-15 मिनट तक लगाएं। धोकर सुखा लें और लिप बाम लगाएं।

लिपस्टिक का चयन

अपने मनपसंद शेड वाली लिपस्टिक अपने निचले होंठों के आरपार लगाएं फिर अपने होंठों को एक-दूसरे पर दबाएं ताकि अतिरिक्त लिपस्टिक ऊपर वाले होंठों पर लग जाए। फिर अपनी अंगुली की सहायता से लिपस्टिक को होंठों पर सावधानीपूर्वक फैलाएं। अगर आप होंठों पर ग्लॉस लगाना पसंद करती हैं तो इस प्रकार लगाएं कि आपको आईने की जरूरत न हो। इसके लिए ऊपर व नीचे के होंठों पर बीचोबीच ग्लॉस लगाएं फिर दोनों होंठों को एक-दूसरे पर रखकर इस प्रकार बाहर की ओर फैलाएं, जैसे आप किसी दीवार या आसमान को चूम रही हैं। लगातार होंठों पर लिपिस्टक लगी न रहने दें। अगर होंठों का मेकअप करने के बाद आपने चाय/कॉफी, स्नैक्स या खाना खाया है तो टिश्यू पेपर की सहायता से धीरे से लिपस्टिक उतार कर कुछ देर के लिए लिपग्लॉस लगाएं।

घरेलू उपचार

दो चम्मच ग्लिसरीन में आधा नीबू का रस मिलाकर एक छोटी शीशी में भरकर रख लें। इसे रोज अपने होंठों पर लिब जेल की तरह लगाएं। हलका सूखने पर साफ पानी से धो लें। रात में सोने से पहले होंठों पर पेट्रोलियम जेली लगाना न भूलें।

सेयल डबलरोटी

सामग्री : 3 पाव, टमाटर, आधा-आधा टीस्पून लहसुन व हरी धनिया-सभी कटे हुए, तलने के लिए तेल, आधा-आधा टीस्पून लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर, चाट मसाला, पाव, नमक स्वादानुसार।

विधि : कड़ाही में तेल डालकर प्याज और टमाटर को हल्का-सा भून लें। इसमें उपरोक्त अन्य सभी सामग्रियां डाल दें। फिर एक टेबलस्पून पानी डालें, उबाल आने पर पाव के चार टुकड़े करके डाल दें। जब पाव पानी सोख ले तब आंच पर से उतार दें।

त्वचा पर न दिखे उम्र का असर

लोग यह मानकर चलते हैं कि त्वचा में परिवर्तन उम्र बढने की सामान्य प्रक्रिया है। वे यह नहीं जानते कि स्वस्थ जीवन शैली और त्वचा की अच्छी देखभाल के तरीके अपनाकर परिवर्तन की इस प्रक्रिया को कम किया जा सकता है।

कारगर उपाय

इसके लिए कारगर उपाय है एंटी एजिंग ट्रीटमेंट। अगर आप इसे आजमाना चाहती हैं तो किसी कॉस्मेटिक डर्मेटोलॉजिस्ट से संपर्क करें। पर उनसे कोई भी उपचार करवाने से पहले आप उसके सभी भावी जोखिमों और साइड इफेक्ट को भी जान लें। त्वचा की सबसे ऊपरी परत को एपिडर्मिस कहा जाता है। इस परत में पिग्मेंट बनाने वाली कोशिकाएं होती हैं, जो त्वचा को उसका रंग देती हैं। नए एपिडर्मिस सेल का जन्म एपिडर्मिस के बैसल सेल परत में होता है। यह एपिडर्मिस की जीवित परत होती है।

उम्र बढने के लक्षण

एपिडर्मिस का पतला होना-एपिडर्मिस के बेसल सेल लेयर सेल बनाने की अपनी रफ्तार कम कर देते हैं और एपिडर्मिस को पतला कर देते हैं। इन परिवर्तनों के मिलने से त्वचा में झुर्रियां ज्यादा बनती हैं।

सैगिंग-पुरानी हुई त्वचा इलास्टिन और कोलैजेन कम बनाती है। इससे उसमें झोल पडने और उसके लटक जाने की संभावना बन जाती है। उम्रदराज त्वचा पर इस प्रभाव का असर जल्दी और साफ दिखता है।

झुर्रियां-इलास्टिन और कोलैजेन कम बनने तथा त्वचा के पतले होने से चेहरे के ज्यादा काम करने वाले हिस्से (आंखें और मुंह) लाइनों और झुर्रियों के शिकार जल्दी होते हैं। झुर्रियां वहां उजागर होने लगती हैं।

एज स्पॉट- बाकी बचे पिग्मेंट सेल कुछ क्षेत्रों में बढ जाते हैं। वे एकसाथ रहते हैं व एज स्पॉट का निर्माण करते हैं। शरीर के जो हिस्से धूप में ज्यादा समय तक रहते हैं, उन पर एज स्पॉट खास तौर से जल्दी बनता है।

शुष्की-त्वचा की तैलीय ग्रंथियों की प्रक्रिया कमजोर हो जाती है। इससे त्वचा शुष्की का शिकार हो रफ हो जाती है और उसमें खुजली होती है।

क्षतिग्रस्त होना-पुरानी पतली त्वचा में रक्त कोशिकाओं के टूट जाने और क्षतिग्रस्त होने की संभावना ज्यादा रहती है। आम बोलचाल की भाषा में इसे ब्रोकन वेसल्स कहा जाता है।

कई दुश्मन भी

त्वचा के कई दुश्मन भी हैं और वे भी उसकी उम्र बढाने की प्रक्रिया को गति देते हैं। वे हैं -

सूर्य : त्वचा के धूप में लगातार रहने से वह समय से पूर्व वृद्ध हो जाती है। इसे फोटो एजिंग के नाम से जाना जाता है। सूर्य से निकलने वाली पराबैगनी किरणें हमारी त्वचा के कोलाजेन और इलास्टिन को तोड देती हैं। यूवी किरणें स्किन पिग्मेंट (मेलानिन) के उत्पादन के लिए टर्बो चार्ज के रूप में भी काम करती हैं। इसके परिणामस्वरूप त्वचा पर दाग-धब्बे हो जाते हैं। त्वचा रोग विशेषज्ञ कहते हैं कि उम्र बढने से जुडी तकरीबन 90 प्रतिशत समस्या ज्यादा समय तक धूप में रहने से होती है। अगर आप धूप से होने वाले नुकसान का सबूत चाहती हैं तो सिर्फ अपने चेहरे की त्वचा की तुलना शरीर के किसी ऐसे भाग की त्वचा से कीजिए, जो अकसर धूप में नहीं रहती है।

धूम्रपान : सिगरेट पीने से धूप में रहने से जो नुकसान होता है उसे गति मिल जाती है। त्वचा में झुर्रियां पडना और बढ जाता है। धूम्रपान से त्वचा पर और भी कई प्रतिकूल प्रभाव पडते हैं, क्योंकि सिगरेट का निकोटिन रक्त कोशिकाओं को संकरा कर देता है और इससे खून त्वचा की ऊपरी परत की छोटी कोशिकाओं तक नहीं पहुंच पाता है। धूम्रपान से कोलाजेन जो इलास्टिन के साथ त्वचा को लचीला और मजबूत बनाकर रखता है, कम बनता है। धूम्रपान से जख्मों के ठीक होने की प्रक्रिया भी धीमी हो जाती है। धूम्रपान करने वाले की पहचान ज्यादा झुर्रियों और हलके ग्रे हो गए कॉम्प्लेक्स से होती है।

प्रदूषण और पर्यावरण : आज हम सभी प्रदूषित माहौल में रह रहे हैं। इससे हमारी त्वचा पर गंदगी की परत बैठ जाती है। यह हमारे रोमछिद्रों को बंद कर देती है। लगातार सेंट्रली हीटेड व एयरकंडीशन्ड माहौल में रहने से भी समस्याएं हो सकती हैं। इससे त्वचा शुष्क और डीहाइड्रेट होती रहती है।

तनाव, नींद न आना : हम सभी लोग तनाव के हमले के शिकार होते हैं और तनाव के आंतरिक संकेतों को दिखाने वाले शरीर के पहले अंगों में त्वचा ही होती है। खुश्की, दाग धब्बे व चिपचिपापन इसके लक्षण होते हैं। पर्याप्त नींद न आना भी एक कारण है, जब कि सोने से त्वचा को मरम्मत और नई ताजगी पाने में सहायता मिलती है।

त्वचा में कसाव लाने के तरीके

स्वस्थ त्वचा के लिए स्वस्थ व संतुलित आहार जरूरी है। त्वचा को परफ्यूम वाले साबुन, क्लोरीन वाले स्विमिंग पूल और ज्यादा समय तक गर्म शावर में रहने से बचाइए। न्यूट्रल पीएच बैलेंस वाले साबुन या बॉडी वॉश का उपयोग कीजिए। शुष्क त्वचा पर बारीक रेखाएं और झुर्रियां सामने आने की संभावना ज्यादा होती है, अगर आपकी त्वचा शुष्क है तो इसे नियमित रूप से मॉयस्चराइज कीजिए। आवश्यक हो तो चिकित्सीय सलाह लीजिए।

एंटी एजिंग ट्रीटमेंट

इन दिनों हमारे पास कई तरह के एंटी एजिंग ट्रीटमेंट भी उपलब्ध हैं। पर ये उपचार बगैर जोखिम के नहीं हैं। इसलिए सभी संभावित जोखिमों, जटिलताओं व उपचार के साइड इफेक्ट को समझने के लिए किसी अनुभवी कॉस्मेटिक सर्जन से संपर्क कीजिए। कॉस्मेटिक डर्मेटोलॉजी के अनुसार कुछ एंटी एजिंग ट्रीटमेंट निम्नलिखित हैं -

लोशंस

ऐसे सभी क्रीम और लोशन सिर्फ डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन पर उपलब्ध होते हैं। ऐसी क्रीम के नियमित उपयोग से बारीक लाइनों और त्वचा के असामान्य रंग में कमी आती है।

इंजेक्शन

इसमें ग्राहक के शरीर की दूसरी जगहों से हारवेस्ट किया गया सिंथेटिक कोलाजेन या बॉडी फैट छोटी हाइपोडर्मिक सुई के जरिए झुर्रियों के साथ पाइप किया जा जाता है।

फेशियल पील

इसमें चेहरे पर रसायन लगाए जाते हैं, ताकि त्वचा की ऊपर की परत जल जाए। इससे झुर्रियां खत्म हो जाती हैं और नई, जवां दिखने वाली त्वचा तेजी से बढती है।

बोटोक्स

रिंकल प्रोन एरिया, जैसे आंखों के चारों ओर और भौंह के बीच बोटुलिनियम टॉक्सिस इंजेक्ट किए जाते हैं। इसका प्रभाव मांसपेशियों को कसता है और त्वचा पर झुर्रियों को रोकता है।

जोखिम

कुछ कॉस्मेटिक सर्जरी इस तरह से डिजाइन की जाती हैं कि वे त्वचा पर से उम्र का असर कम कर सकें। इसमें आंखों और चेहरे पर कसाव लाना शामिल है। इसके लिए किसी अनुभवी प्लास्टिक सर्जन से संपर्क कीजिए और सुनिश्चित कीजिए कि आप सर्जरी की सभी संभावित जोखिमों, जटिलताओं और साइड इफेक्ट की समझते हैं। यह भी याद रखिए कि सौंदर्य उत्पादों के दावे तो बहुत किए जाते है, पर अभी तक कोई भी उत्पाद ऐसा नहीं है, जो समय की सुई को पीछे कर सके।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-2-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। रूकावटें आएंगी। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-2-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-1-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-2-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। शुभांक-5-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शांतिपूर्वक कार्य करें। धार्मिक यात्रा का योग हैं। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-5-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहें। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। शुभांक-4-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-3-5-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-3-6-8

काकुरो पहेली -3978

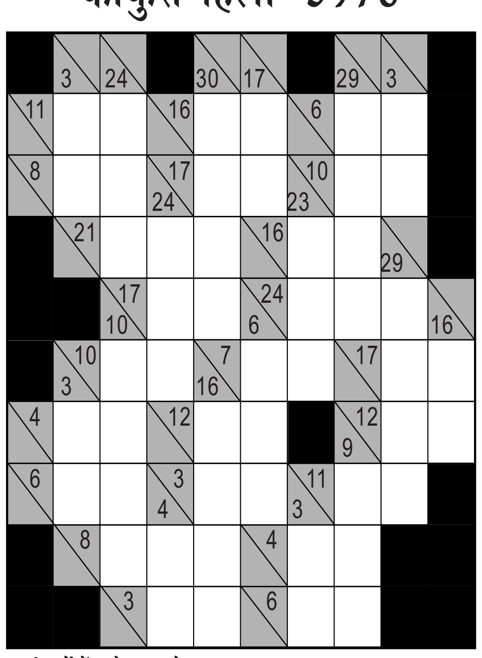

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

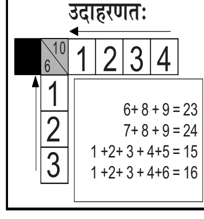

काकुरो - 3977 का हल

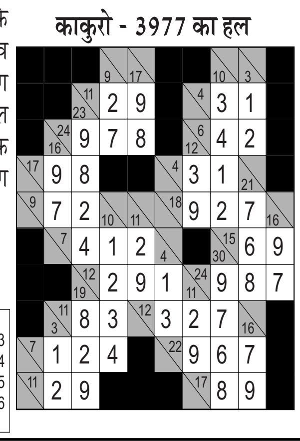

लॉफिंग ज़ोन

चिंकी (सोनू से)- तुम्हें पता है, मेरा भतीजा इतना खराब है कि दिन में कम से कम सात-आठ बार कपड़े बदल ही लेता है।

सोनू परेशान होकर- ऐसा क्यों? क्या उसे कपड़े बदलने की बीमारी हो है?

चिंकी- नहीं नहीं....! अरे पगली! अभी तो वह छः माह का ही है।

□ □ □

शादी की पच्चीसवीं सालगिरह पर पार्टी में आए मेहमानों ने जब नरेश से पूछा कि- बताओ नरेश! आपके हिसाब से सफल वैवाहिक जीवन का राज क्या है?

नरेश बोला- यह वैवाहिक जीवन तभी सफल साबित हो सकता है जब पत्नी बहरी और पति पूरी तरह अंधा बनकर जीवन बिताएँ।

□ □ □

पेशी के दौरान वकील महिला से बोला- जब तुम उस अपराधी से मिलने गई थी और उसने तुमसे जो कहा था, वो अदालत में जज साहब से कह दो।

महिला- नहीं...! मैं वो बात किसी भले आदमी के सामने नहीं कह सकती।

वकील बोला- तो ठीक है! जाकर जज साहब के कान में तो कह ही सकती हो।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3978

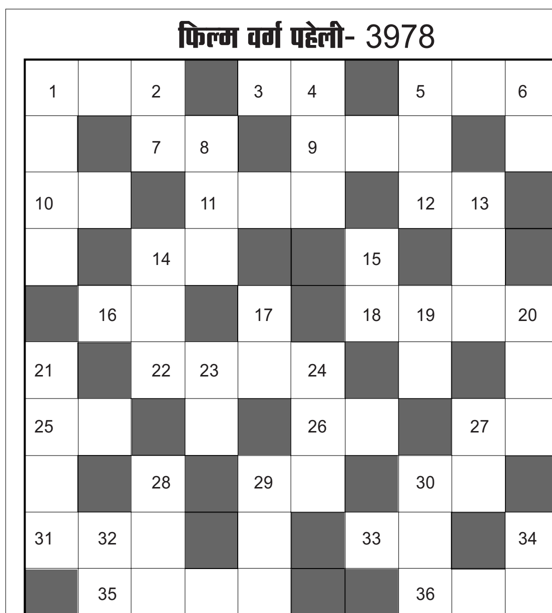

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, अमृता की 'मैं माटी का गुड्डा' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता की फिल्म-२
५. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीतवाली फिल्म-३
७. 'धीरे धीरे आप मेरे दिल में' गीत वाली आमिर, जूही की फिल्म-२
९. धर्मेन्द्र, सुनीलदत्त, संजय, सनी, रवीना, दिव्या की बहु सितारा फिल्म-३
१०. 'कोयल सी तेरी बोली' गीत वाली फिल्म-२
११. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
१२. 'फूल माँगूं ना' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'आजा जाने जाँ' गीतवाली सुनील शेट्टी, सोमी अली की फिल्म-२
१६. 'दिल के टुकड़े टुकड़े' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली देव आनंद, हेमा की फिल्म-४
२२. जीतेंद्र, संजयदत्त, जूही की 'ढूंढ रही थी' गीत वाली फिल्म-४
२५. सनी वाली फिल्म 'जाल' में तब्बू के साथ दूसरी नायिका-२
२६. दिलीप, रेखा, ममता की फिल्म-२
२७. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली संजय, सलमान, रवीना की फिल्म-२
२९. 'नशा ये प्यार का नशा है' गीत वाली फिल्म-२
३०. अल्ताफ रजा के गीत 'पीलो प्यार दी विस्की' वाली फिल्म-२
३१. सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
३३. 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
३५. अमिताभ, परवीन की 'आदमी जो कहता है' गीत वाली फिल्म-४
३६. 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'हय्या हू' गीत वाली गोविंदा, ऐश्वर्या की फिल्म-४
२. एलबम 'मैं भी मैडोना' का गायक?-२
४. 'शहर की लड़की' गीत वाली फिल्म-३
५. नासिर खान, मीनाकुमारी की फिल्म-३
६. अमिताभ वाली 'याराना' की नायिका?-२
८. 'कुर्बानी' में फिरोज की नायिका?-३
१३. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
१४. अनिल, जूही, करिश्मा की फिल्म-३
१५. अरविंद स्वामी, मधु की 'दिल है छोटा सा' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख, पूनम की फिल्म-२
१९. 'एहसास' में सुनील शेट्टी की नायिका-२
२०. फिल्म 'मदर इंडिया' में शीर्षक भूमिका किसने की थी?-३
२१. अनिल, मीनाक्षी की 'जिंदगी हर कदम' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'झूठे नैना बोले' गीत वाली फिल्म-३
२७. उमादेवी के गाये 'अफसाना लिख रही हूँ' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'तितली उड़ी' गीत राजेंद्रकुमार की किस फिल्म का है-३
२९. जीतेंद्र, रणधीर, राकेश, रेखा की फिल्म-३
३०. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीतवाली फिल्म-३
३२. विवेक, दीया मिर्जा की फिल्म-२
३४. अमिताभ की 'खाइके पान' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3977

खु	शी		शो		द	रा	र		फ
दा		प	र	ख		जे		खा	की
ग	द	र		त	ला	श			रा
वा		दे	व	र		ख	ली	फा	
ह	व	स		ना		त्रा		गु	स
	क्त		नौ	क	र		आ	न	
गु		रा	ज		च	र	स		बा
म	स्त		वा	स	ना		रा	जा	जी
ना		जा	न	स		सु			ग
म	शा	ल		र	फ्ता	र		ड	र

सूडोकु -3978

				6	8	5		
	1						2	
		2						8
			4					9
6				5				1
2					3			
5						3		
	8						6	
		4	9	1				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3977 का हल

2	4	6	7	9	3	5	8	1
3	1	5	2	8	6	4	7	9
7	8	6	1	5	4	2	3	6
6	5	7	9	3	8	1	4	2
9	3	1	4	7	2	8	6	5
4	2	8	6	1	5	7	9	3
1	9	2	3	4	7	6	5	8
5	7	3	8	6	1	9	2	4
8	6	4	5	2	9	3	1	7

शब्द पहेली - 3978

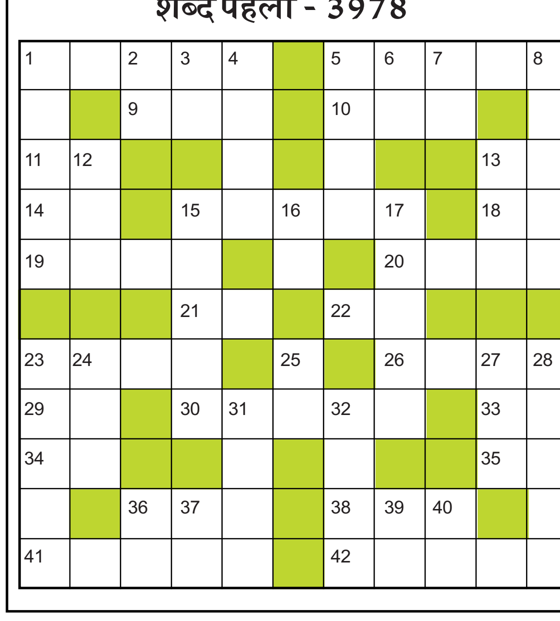

बाएँ से दाएँ

1.मन मोहने वाला-5
5.प्रस्थान करना,रवानगी-5
9.राशिचक्र की दसवीं राशि-3
10.तेल में पकाना-3
11.प्रेम,प्यार-2
13.थोड़ा,जरा-2
14.मैं का बहुवचन-2
15.उम्मीद करना-5
18.धन,संपदा-2
19.पक्षियों की चहचहाट-4
20.अभिप्राय-4
21.सद्,अच्छा-2
22.दम,ताकत-2
23.प्रकाशवान-4
26.ठसाठस-4
29.माईल,दूरी नामपे की इकाई-2
30.क्रोधित होना-2,3
33.विदेशी शराब-2
34.झुका हुआ-2
35.भाग्य (अंग्रेजी-2)
36.आखेट मंच-3
38.खुजली-3
41.मनमोहकता-5
42.नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.आकर्षक.चिताकर्षक-5
2.वैक्स,मधुज-2
3.अधिकार-2
4.फिल्म 'मदर इंडिया' की नायिका-4
5.जागरण-4
6.दीवार (अंग्रेजी-2)
7.मां के पिता-2
8.असफल-5
12.गर्भ,कोख-3
13.करामात-3
15.खातिरदारी -5
16.उद्देश्य-2
17.नामकरण-2,3
23.भूस्वामी-2,3
24.सही का विलोम-3
25.मृत्यु-2
27.इमामदस्ता-3
28.कांतिमान, चमकीला-5
31.उदारता,बड़प्पन-4
32.मालगोदाम-4
36.रत्न,नग-2
37.टी,चहा-2
39.याचिका,वाद (अंग्रजी-2)
40.वहम,संदेह-2

शब्द पहेली -3977 का हल

का	ज		आ	ग		सा	थ		सु	रा
ल		ता	ना		आ	स		ख	ब	र
	ली	ला		सा	या		क	ल	ह	
म	न		रा	त		र	म	ल		वि
स्ती		फि	जा		अ	ग	ला		सा	दा
	शू	र		की	च	ड़		ता	र	
कु	ल		अ	म	ल		ख	त		मी
ली		ग	ल	त		प	ता		जा	न
	दो	ज	ख		क	ल		ता	ल	
घा	य	ल		दा	म		उ	म्र		मो
त	म		प	ग		कृ	ष्णा		क	र

किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है हंसिका की कहानी

हंसिका मोटवानी की कहानी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है। बचपन में टीवी की दुनिया में कदम रखा, चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर पहचान बनाई, बॉलीवुड में बड़े सितारों के साथ काम किया और फिर साउथ फिल्म इंडस्ट्री में बतौर लीड एक्ट्रेस अलग जगह बना ली। लेकिन, जितनी तारीफ हंसिका के काम की होती है, उससे ज्यादा चर्चे उनकी निजी जिंदगी को लेकर होते हैं। वह किसी न किसी चीज को लेकर अक्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं।

मुंबई में जन्मीं हंसिका ने बहुत छोटी उम्र में ही कैमरे का सामना करना शुरू कर दिया था। टीवी के मशहूर शो 'शाका लाका बूम बूम' में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट नजर आने के बाद वह घर-घर में पहचानी जाने लगीं। इसके बाद उन्होंने 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' जैसे लोकप्रिय सीरियल में भी काम किया। हंसिका की अगली बड़ी छलांग बॉलीवुड में हुई। ऋतिक रोशन और प्रीति जिंटा की फिल्म 'कोई मिल गया' में उनकी मौजूदगी को दर्शकों ने पसंद किया।
कुछ समय बाद हंसिका ने साउथ सिनेमा का रुख किया। उन्होंने तेलुगु फिल्म 'देसमुदुरु' से बतौर लीड एक्ट्रेस डेब्यू किया। उस समय उनकी उम्र काफी कम थी, लेकिन फिल्म में उनकी एक्टिंग को पसंद किया गया और उन्हें बेस्ट फीमेल डेब्यू का सम्मान भी मिला।
इसके बाद तमिल फिल्मों में भी उनका करियर तेजी से आगे बढ़ा। 'एंगेयुम काधल' और 'ओरु कल ओरु कन्नाड़ी' जैसी फिल्मों ने उन्हें दक्षिण भारतीय दर्शकों के बीच मजबूत पहचान दिलाई। तमिल, तेलुगु, कन्नड़, हिंदी और मलयालम फिल्मों में काम करके उन्होंने अपनी बहुभाषी पहचान बनाई।
एक चुलबुली और मासूम लड़की के किरदारों से शुरुआत करने वाली हंसिका ने धीरे-धीरे अलग तरह के रोल भी किए।
हंसिका का करियर जितना तेजी से आगे बढ़ा, उनकी निजी जिंदगी को लेकर चर्चाएं भी उतनी ही तेज होती गईं। एक समय उनकी बदली हुई शारीरिक बनावट को लेकर तरह-तरह की बातें कही गईं और उन पर हार्मोनल इंजेक्शन लेने के आरोप लगे। हंसिका ने इन आरोपों को खारिज किया था।
इसके अलावा, एक कथित एमएमएस के वायरल होने के बाद भी उनका नाम चर्चा में आया। हालांकि, हंसिका ने साफ किया था कि वीडियो में दिखाई देने वाली लड़की वह नहीं थी। बावजूद इसके, इस विवाद ने काफी समय तक उनका पीछा नहीं छोड़ा। हंसिका की निजी जिंदगी का सबसे ज्यादा चर्चित अध्याय उनकी शादी रही। उन्होंने 4 दिसंबर 2022 को बिजनेसमैन सोहेल कथूरिया से शादी की। राजस्थान के जयपुर में हुई इस शाही शादी की तस्वीरों और वीडियो ने खूब सुर्खियां बटोरीं। उनकी शादी पर 'हंसिका लव शादी ड्रामा' नाम की एक वेब सीरीज भी बनी है।
हालांकि शादी की घोषणा के साथ ही विवाद शुरू हो गया। सोहेल की यह दूसरी शादी थी और उनकी पहली पत्नी रिंकी बजाज हंसिका की दोस्त थीं। इसी वजह से सोशल मीडिया पर हंसिका पर कई तरह के आरोप लगाए गए। हंसिका ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि सोहेल और रिंकी के रिश्ते में क्या हुआ, इससे उनका कोई लेना-देना नहीं था। हालांकि, हंसिका और सोहेल का रिश्ता भी ज्यादा समय चल नहीं पाया। दोनों ने तलाक ले लिया है।

'डेडलॉक्ड' नाम की एक्शन थ्रिलर हॉलीवुड फिल्म डायरेक्ट करेंगे निखिल नागेश भट्ट

डायरेक्टर निखिल नागेश भट्ट 'डेडलॉक्ड' नाम की एक एक्शन थ्रिलर फिल्म डायरेक्ट करेंगे, जिसमें ऑस्कर विजेता एक्टर जेमी फॉक्स लीड रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म को अमेजन एमजीएम स्टूडियोज दुनिया भर में रिलीज करेगा।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'डेडलॉक्ड' को प्राइम वीडियो पर ग्लोबली स्ट्रीम किया जाएगा। यह निखिल भट्ट की पहली इंग्लिश लैंग्वेज फिल्म होगी और 'किल' की सफलता के बाद उनके करियर में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। फिल्म की कहानी एक ऐसे पूर्व मरीन पर आधारित है, जो एक बड़े केस में ज्यूरी ड्यूटी कर रहा होता है। इसी दौरान कोर्ट में अचानक खतरनाक हालात बन जाते हैं और मामला बंधक बनाने तक पहुंच जाता है। दरअसल, आरोपी की बेटी अपने पिता को बचाने के लिए कोर्ट पर कब्जा कर लेती है, जिसके बाद कहानी में जबरदस्त ट्विस्ट आता है। इस फिल्म को एरिक स्कॉट एंडरसन और मैट ताकेजिरो बोसैक ने लिखा है। प्रोडक्शन की जिम्मेदारी ब्रायन कवानॉ-जोंस, फ्रेड बर्जर, डेव कैपलान और खुद जेमी फॉक्स की टीम संभाल रही है। जेमी फॉक्स हाल ही में नेटफ्लिक्स की फिल्म 'बैक इन एक्शन' में नजर आए थे, जिसमें उनके साथ कैमरून डियाज थीं। वह जल्द ही 'फाइट फॉर '84' नाम की एक और फिल्म में दिखाई देंगे।

निखिल नागेश भट्ट के बारे में

निखिल नागेश भट्ट को इंटरनेशनल पहचान उनकी फिल्म 'किल' से मिली, जिसका प्रीमियर टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुआ था। बाद में इस फिल्म को लायंसगेट ने खरीदा और 2024 में इसे बड़े स्तर पर रिलीज किया गया। लक्ष्य और राघव जुयाल स्टारर 'किल' को भारत की सबसे हिंसक फिल्मों में से एक माना गया। 'किल' के अलावा निखिल 'अपुर्वा', 'हुरदंग' जैसी फिल्में और 'रस भरी', 'द गॉन गेम' जैसी वेब सीरीज भी डायरेक्ट कर चुके हैं। खबरें यह भी थीं कि वह सनी देओल के साथ 'परशुराम' नाम की फिल्म पर काम कर रहे हैं, लेकिन 'डेडलॉक्ड' के ऐलान के बाद इस प्रोजेक्ट का क्या होगा, यह साफ नहीं है।

एकता कपूर की चमक कम नहीं हुई, वह समय के साथ बदलना जानती हैं

टीवी की दुनिया में अब डेली सोप्स के मुकाबले रियलिटी शोज, गेमिंग शोज और अलग तरह के कंटेंट को ज्यादा पसंद किया जा रहा है। ऐसे समय में मशहूर प्रोड्यूसर और 'टेलीविजन की क्वीन' कही जाने वाली एकता कपूर ने खुद को सिर्फ टीवी सीरियल्स तक सीमित नहीं रखा और रियलिटी शो के क्षेत्र में कदम बढ़ाया। इस कड़ी में एकता कपूर की तारीफ करते हुए अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश ने कहा कि वह समय के साथ खुद को बदलना जानती हैं।
दरअसल, तेजस्वी प्रकाश इन दिनों गेमिंग रियलिटी शो 'प्लेग्राउंड' के पांचवें सीजन को लेकर चर्चा में हैं। आईएएनएस से बात करते हुए उन्होंने कहा, ''एकता कपूर हमेशा से टेलीविजन की क्वीन रही हैं, लेकिन उन्हें सिर्फ टीवी की निर्माता के तौर पर देखना सही नहीं होगा। वह एक बेहतरीन रणनीतिकार होने के साथ-साथ बहुत समझदार बिजनेसवुमन भी हैं। उन्हें पता है कि इस समय दर्शकों के बीच क्या चल रहा है और किस तरह का कंटेंट लोगों को पसंद आ रहा है। इसलिए वह अपने काम को समय की मांग के हिसाब से बदलती रहती हैं।''
तेजस्वी ने कहा, ''एकता ने अपने आसपास कई ऐसे लोगों को देखा है, जो अपने काम करने के तरीके में बदलाव नहीं करना चाहते। ऐसे लोग चाहे उनका तरीका काम करे या न करे, उसी रास्ते पर चलते रहते हैं। इसकी वजह से वे आगे नहीं बढ़ पाते और एक जगह पर ही रुक जाते हैं। समय के साथ खुद में बदलाव करना बेहद जरूरी है और उन्होंने अपने जीवन में इस बात को महसूस किया है।''
तेजस्वी ने कहा, 'एकता कपूर ने अपनी गलतियों को समझा है और उन गलतियों से सीखने के बाद अपने काम करने के तरीके में जरूरी बदलाव किए हैं। जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए यह समझना जरूरी है कि कब अपने तरीके को बदलने की जरूरत है।' तेजस्वी का एकता कपूर के साथ काम करने का अनुभव भी रहा है। वह एकता कपूर के चर्चित शो 'नागिन 6' में नजर आई थीं।
रियलिटी शो 'लॉक अप' को लेकर भी तेजस्वी ने एकता कपूर की टीम की तारीफ की। उन्होंने कहा, ''शो के दूसरे सीजन की सफलता से मैं बेहद खुश और गर्व महसूस कर रही हूं। मैं खुद भी 'लॉक अप' का हिस्सा रह चुकी हूं। भले ही मेरा जुड़ाव शो से छोटे स्तर पर रहा हो, लेकिन उस शो का हिस्सा बनना और उसके मंच पर मौजूद रहना मेरे लिए बेहद मजेदार अनुभव था।'' तेजस्वी ने आखिर में कहा, ''एकता कपूर की पहचान सिर्फ टेलीविजन तक सीमित नहीं है। वह फिल्ममेकर भी हैं और फिल्मों के क्षेत्र में भी काम कर रही हैं। उनके पास आने वाले समय के लिए कुछ नए और शानदार प्रोजेक्ट्स हैं। ऐसे में मुझे नहीं लगता कि एकता कपूर की चमक कम हो रही है।''

टॉक्सिक के लिए अपने हिस्से की शूटिंग कर रही हैं रुक्मिणी वसंत

साउथ की चर्चित अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'टॉक्सिक' को लेचर चर्चा में हैं। बीते कल इसका ट्रेलर रिलीज हुआ है। ट्रेलर ने दर्शकों का ध्यान खींचा है। इस बीच अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर अपनी शानदार तस्वीरें शेयर की हैं। तस्वीरें शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा ''टॉक्सिक- ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन अप्स' के लिए अपने हिस्से की शूटिंग कर रही हूं।' तस्वीरों पर फैंस ने कमेंट किए हैं। एक यूजर ने उन्होंने सबसे प्यारी गुड़िया कहा है। वहीं एक दूसरे यूजर ने उन्हें सुंदरी कहा है। आपको बता दें कि रुक्मिणी वसंत 'टॉक्सिक' में मेलिसा का किरदार निभा रही हैं। रिलीज हुए फिल्म के ट्रेलर में अभिनेत्री के अलावा कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी, नयनतारा, तारा सुतारिया और यश की झलक दिखी है। ट्रेलर काफी हिंसक है।
फिल्म में यश लीड रोल में नजर आएंगे, जो राया का किरदार निभा रहे हैं। कियारा 'नादिया' का किरदार निभा रही हैं। वहीं तारा सुतारिया 'रबेका' और हुमा कुरैशी 'एलिजाबेथ' के किरदार में नजर आएंगी। इनके अलावा नयनतारा, रुक्मिणी वसंत समेत और भी कलाकार फिल्म में नजर आएंगे।

अजुल के बाद नए सॉन्ग पर ट्रोल हुए गुरु रंधावा

गुरु रंधावा सोशल मीडिया पर अपने गानों और प्रेजेंटेशन को लेकर ट्रोल होते हैं। हाल ही में रिलीज हुए गाने 'फाइन शिट' के साथ भी ऐसा ही हुआ। यूजर्स को इसके बोल नहीं भाए हैं। बता दें कि पिछले साल भी अपने एक गाने 'अजुल' के कारण गुरु रंधावा खूब ट्रोल हुए थे। गुरु रंधावा के नए गाने में ऑफिस का सेटअप है। इसमें वह गाना गा रहे हैं और एक लड़की अजीब तरह का डांस कर रही है। यह डांस भी यूजर्स को नहीं भाया है। इस तरह की प्रेजेंटेशन पर सोशल मीडिया यूजर्स ने सवाल उठाए हैं। गुरु रंधावा के इस गाने को उनके साथ यश्वी देसाई ने भी गाया है। वहीं म्यूजिक वीडियो में अर्शिया सिन्हा, रायमा ग्रोवर, मेहर कौर, रूही दोसानी जैसे सेलेब्स भी नजर आए। इस गाने के बोल गुरजीत ने लिखे हैं। यूट्यूब को इस गाने पर दो दिन में 6 मिलियन से अधिक व्यूज मिल चुके हैं।

इन गानों के लिए मशहूर रहे हैं गुरु रंधावा

गुरु रंधावा एक मशहूर पंजाबी सिंगर, म्यूजिक कंपोजर हैं। वह पंजाबी, इंडी-पॉप स्टाइल के गाने गाते हैं। वहीं बॉलीवुड में भी कई हिट गाने गा चुके हैं। इसमें 'नाच मेरी रानी', 'स्लोली स्लोली', 'बॉर्डर' और फिल्म 'सोनू के टीटू की स्वीटी' का गाना 'कौन नाचना' शामिल है।

सीरियस एक्ट्रेस टैग पर बोलीं संजीदा शेख

'धमाल 4' में अजय देवगन, रितेश देशमुख, अरशद वारसी और जावेद जाफरी जैसे सितारे फिर नजर आए। साथ ही इस बार कुछ नए चेहरे भी जुड़े, जिनमें एक्ट्रेस संजीदा शेख भी शामिल थीं। फिल्म में संजीदा ने एक्शन और कॉमेडी दोनों किया। बातचीत में उन्होंने बताया कि उन्हें यह रोल कैसे मिला और शूटिंग का अनुभव कैसा रहा।
'धमाल 4' से पहले संजीदा ने कॉमेडी में ज्यादा काम नहीं किया था। इससे पहले वह संजय लीला भंसाली की सीरियस पीरियड ड्रामा 'हीरामंडी' में नजर आई थीं। इसके बाद उन्हें 'सीरियस एक्ट्रेस' का टैग मिलने लगा। संजीदा ने कहा, 'मुझे 'धमाल 4' इसलिए मिली क्योंकि इंद्र सर ने मुझे 'हीरामंडी' देखने के बाद बुलाया। उनका पहला सवाल था, 'आप तो बहुत सीरियस एक्ट्रेस हैं,' क्योंकि हीरामंडी काफी सीरियस थी।' संजीदा ने बताया कि उन्होंने डायरेक्टर से कहा कि उन्हें मौका दिया जाए ताकि वह दिखा सकें कि वह कितनी फनी हैं। 'मैं उनके साथ बैठी और उन्होंने मुझे हंसते हुए सुना- मैं थोड़ा अलग तरीके से हंसती हूं तो उन्होंने कहा, 'ठीक है।' और मेरी कास्टिंग हो गई।'

कॉमेडी के साथ किया एक्शन

'धमाल 4' में संजीदा का किरदार जितनी कॉमेडी करता है, उतना ही एक्शन भी करता है। कई सीन में वह बड़े एक्शन स्टार्स के साथ एक्शन करती नजर आईं। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, 'मेरे हर सीन में एक्शन था। मुझे उल्लू बनाया गया। मुझे कहा गया था कि कॉमेडी करनी है, लेकिन मुझसे एक्शन करवा लिया गया।' संजीदा ने बताया कि सेट पर यह बात मजाक बन गई थी कि जहां अजय देवगन जैसे बड़े एक्शन स्टार मौजूद हैं, वहां उनसे एक्शन सीन करवाए जा रहे थे। उन्होंने कहा, 'मैं सच बोल रही हूं, अजय देवगन सेट पर थे और मुझसे सारे एक्शन सीन कराए जा रहे थे। यह सेट पर मजाक बन गया था।'

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।